■ RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 22 ■ अंक - 34 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 26-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 युवाओं को नहीं मिल रहा बेरोजगारी भत्ता : गहलोत

6 त्योहारों से पहले फीकी पड़ी चीनी की मिठास

7 तनुश्री दत्ता का 'वेटरन' शब्द पर निशाना

फर्स्ट टेक

सेना ने ट्रंप के बेटे को 'जान की धमकी' वाले वीडियो की जानकारी होने की पुष्टि की

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी खुफिया सेवा ने मंगलवार को कहा कि उसे इस बात की जानकारी है कि ईरान के सरकारी मीडिया ने एक वीडियो प्रसारित किया है, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन को जान की धमकी दिए जाने के तौर पर देखा जा सकता है। खुफिया सेवा के प्रवक्ता नेट हेरिंग ने एक बयान में कहा, अमेरिकी खुफिया सेवा इस वीडियो से अवगत है और ऐसी किसी भी चीज की जांच करती है, जिसे हमारे सुरक्षा घेरे में आने वाले लोगों के खिलाफ खतरे के रूप में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा, 'अभियानगत सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हम सुरक्षा संबंधी खुफिया मामलों पर चर्चा नहीं करते हैं।' साल की शुरुआत में अमेरिकी बलों की कार्रवाई में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामनेई की मौत के बाद से ईरानी मीडिया ने कई मौकों पर अमेरिकी राष्ट्रपति और उनके परिवार के सदस्यों के लिए धमकी वाली सामग्री प्रसारित की है।

चीनी की कीमत चमकीं

नई दिल्ली/भाषा। खुदरा बाजार में मंगलवार चीनी की कीमतें लगभग एक रुपये बढ़कर करीब 64 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। सोमवार को औसत कीमत 63.05 रुपये प्रति किलो थी। उपभोक्ता मामलों के विभाग (मूल्य निगरानी प्रभाग) के आंकड़ों के अनुसार, 25 अगस्त को चीनी का अखिल भारतीय औसत भाव 63.97 रुपये प्रति किलो था, जो एक महीने पहले के 48.81 रुपये प्रति किलो से 31 प्रतिशत अधिक है। यह औसत भाव एक साल पहले के स्तर से 38 प्रतिशत अधिक है, जब चीनी 46.31 रुपये प्रति किलो के भाव पर उपलब्ध थी। आंकड़ों से पता चलता है कि सोमवार को अधिकतम बिक्री मूल्य 76 रुपये प्रति किलो था ।

केंद्र ने केरल का नया नाम 'केरलम' अधिसूचित किया

नयी दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केरल के नये नाम 'केरलम' को अधिसूचित कर दिया और यह मंगलवार से प्रभावी भी हो गया है। मंगलवार को जारी एक गजट अधिसूचना में गृह मंत्रालय ने कहा, ''केरल अधिनियम, 2026 की धारा 1 की उप-धारा (2) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, अधिनियम के प्रावधान लागू करने के लिए केंद्र सरकार ने 25 अगस्त 2026 की तारीख निर्धारित की है।'' लोकसभा ने 11 अगस्त को केरल विधेयक पारित किया और अगले दिन राज्यसभा ने भी इसे मंज़ूरी दे दी। संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया था कि केरल विधानसभा ने 2024 में एक प्रस्ताव पारित किया।

सूर्यास्त 26-07-2026 6:34 बजे | सूर्योदय 27-08-2026 6:10 बजे

BSE	NSE
77,656.09	24,334.55
(+286.98)	(+115.50)

सोना	चांदी
16,866 रु.	249,160 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बातों के दुमछल्ले

जुमलों में जनता फँसी हुई,
वादों बातों के दुमछल्ले।
अच्छे दिन के सपनों में ही,
सब करते नींदों में हल्ले।
मेहनतकश फाकाकशी करे,
ले रहे मजे दल्ले ठल्ले।
प्रतिपक्ष करे नित ही कल्ले,
सत्ताधारी बल्ले-बल्ले।।

कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण

कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने के आदेश बरकरार रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) ने मंगलवार को कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्युआरसी) की उस सिफारिश को बरकरार रखा, जिसमें कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए 15 दिनों तक नौ हजार क्यूसेक पानी दिया जाना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। यह फ़ैसला दिल्ली में एस.के. हलदर की अध्यक्षता में हुई सीडब्ल्यूएमए की 56वीं बैठक में लिया गया। इस बैठक में तमिलनाडु, कर्नाटक, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और केरल के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। तमिलनाडु के जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत एम. वाडनेरे और कावेरी तकनीकी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष थिरु सुब्रमण्यन ने इस बैठक में हिस्सा लिया। यह बैठक उच्च न्यायालय के उस निर्देश के बाद हुई, जिसमें अदालत ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार से कहा था कि वह कर्नाटक द्वारा कावेरी के पानी में अपने हिस्से का पानी छोड़े जाने को लेकर अपनी शिकायत सीडब्ल्यूएमए के सामने उठाए।

कर्नाटक के अधिकारी गौरव गुप्ता ने कहा, सीडब्ल्यूआरसी के अनुसार, 15 दिनों में 11.6 टीएमसी पानी छोड़ा जाना है। हमने उनसे इसे घटाकर छह हजार क्यूसेक करने का अनुरोध किया था। तमिलनाडु ने पानी छोड़ने की मात्रा को बढ़ाकर 28 टीएमसी करने की मांग की थी। बैठक में हुई सभी चर्चाओं के बाद, सीडब्ल्यूएमए ने सीडब्ल्यूआरसी की सिफारिश को ही दोहराया। सीडब्ल्यूआरसी ने सोमवार को अपनी 141वीं बैठक में कर्नाटक को अपने जलाशयों से पानी छोड़ने और बिलिगुंडुलु सीमा बिंदु पर 9,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था। यह प्रवाह लगातार 15 दिनों तक बनाए रखना होगा, इस दौरान तमिलनाडु को करीब 11.66 टीएमसी पानी मिलने की उम्मीद है।

पानी छोड़े जाने से कुरुवई फसल की खेती में मदद मिलने और तमिलनाडु की पेयजल जरूरतें पूरी होने की उम्मीद है। इससे पहले सीडब्ल्यूआरसी ने कर्नाटक को 12 अगस्त से 15 दिनों तक तमिलनाडु के लिए रोजाना 12,000 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्देश दिया था। इसके बाद सीडब्ल्यूएमए ने भी इस फैसले को बरकरार रखा था।

बीएलओ भारतीय लोकतंत्र की नींव : ज्ञानेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीएलओ के प्रयास यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि मतदाता सूची सटीक रहे और प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक बीएलओ और 30 बीएलओ पर्यवेक्षकों ने बातचीत में भाग लिया।

लखनऊ/भाषा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को भारतीय लोकतंत्र की नींव बताते हुए कहा कि उनकी पारदर्शिता और समर्पण ने उन्हें मतदाताओं के साथ-साथ देश एवं दुनिया में पहचान दिलाई है। कुमार ने लखनऊ में बीएलओ के साथ बातचीत के दौरान कहा कि भारत निर्वाचन आयोग संविधान, कानूनों और आयोग के निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से चुनाव कराता है। उन्होंने कहा, बीएलओ भारतीय लोकतंत्र की नींव हैं। वे अपनी पारदर्शिता और समर्पण के लिए अपने-अपने बूथों पर मतदाताओं के बीच जाने जाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उन्होंने बीएलओ के सुझाव सुनने और उनके सवालों का समाधान करने के लिए उनसे बातचीत की। उन्होंने कहा कि बीएलओ जमीनी स्तर पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं।

कुमार ने लखनऊ से अपने पुराने पारिवारिक व शैक्षिक संबंधों का भी जिक्र किया और कहा कि एक सामान्य परिवार से आने के कारण वह बीएलओ के साथ एक विशेष जुड़ाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं, जो कई देशों के संयुक्त मतदाताओं से भी अधिक हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान करीब 1.80 करोड़ लोग प्रतिनियुक्ति पर काम करते हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया दुनिया के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में से एक बन जाती है। देशभर में करीब 12 लाख बीएलओ हैं।

उन्होंने कहा कि बीएलओ मतदाता सूची के रखरखाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, दोहरे और विदेशी मतदाताओं से संबंधित प्रविष्टियों की पहचान कर उन्हें हटाने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करते हैं कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु का प्रत्येक पात्र नागरिक मतदाता सूची में शामिल हो। कुमार ने कहा कि मतदाता सूची के मसौदा चरण में बीएलओ द्वारा तैयार सूचियों का राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों द्वारा परीक्षण किया जाता है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन मॉक पोल से लेकर फॉर्म 17सी के भाग-1 को भरने और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को सील करने तक की प्रक्रियाएं उम्मीदवारों के मतदान एजेंटों की मौजूदगी में पूरी की जाती हैं। कुमार ने कहा कि इसी तरह मतगणना के दौरान भी उम्मीदवारों के मतगणना एजेंट प्रक्रिया की निगरानी के लिए मौजूद रहते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने उत्तर प्रदेश के चुनाव अधिकारियों से आगामी चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में काम करने और प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से युवा मतदाताओं और विवाहित महिलाओं के बीच चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाने के लिए अधिक प्रयास करने का आह्वान किया।

कुमार ने कहा कि बीएलओ के प्रयास यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि मतदाता सूची सटीक रहे और प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों से 500 से अधिक बीएलओ और 30 बीएलओ पर्यवेक्षकों ने बातचीत में भाग लिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे प्रदे के बीएलओ ने मतदाता सूची तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और निभाते रहे। इस वर्ष अप्रैल में राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूरा होने के बाद उत्तर प्रदेश में प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में 13.39 करोड़ से अधिक मतदाताओं को शामिल किया गया था। यह अभ्यास 1.77 लाख बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 5.82 लाख से अधिक बूथ लेवल एजेंट द्वारा समवर्ती ऑडिट के साथ किया गया था।

यूपीआई भुगतान का तेज और सुरक्षित माध्यम : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

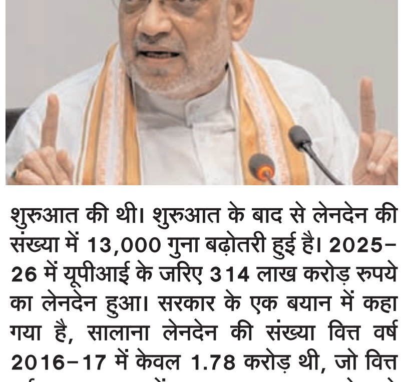

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को तेज और सुरक्षित माध्यम करार देते हुए कहा कि यह नवाचार के जरिए भारत को बदलाव की राह पर आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण की एक मिसाल है। यूपीआई का इस्तेमाल शुरू हुए मंगलवार को 10 साल पूरे हो गए। शाह ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, यूपीआई नवाचार के जरिए भारत को बदलाव की राह पर आगे बढ़ाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण की एक मिसाल है। उन्होंने कहा, यूपीआई के 10 वर्षों में हमारे देश ने दुनिया की सबसे बड़ी वास्तविक समय भुगतान प्रणाली बनाई है और यह साबित किया है कि डिजिटल इंडिया के जरिए लोगों को तेज, आसान व सुरक्षित माध्यम देकर हम क्या हासिल कर सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने भारतीय रिजर्व बैंक की निगरानी में मुख्य रूप से मोबाइल के जरिए बिना नकद भुगतान करने के माध्यम के रूप में 25 अगस्त 2016 को यूपीआई की शुरुआत की थी। शुरुआत के बाद से लेनदेन की संख्या में 13,000 गुना बढ़ोतरी हुई है। 2025-26 में यूपीआई के जरिए 314 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ। सरकार के एक बयान में कहा गया है, सालाना लेनदेन की संख्या वित्त वर्ष 2016-17 में केवल 1.78 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 24,162 करोड़ से अधिक हो गई। लेनदेन की संख्या में लगभग 13,000 गुना बढ़ोतरी हुई है। बयान में कहा गया है, इसी तरह, लेनदेन की कुल राशि वित्त वर्ष 2016-17 में 0.07 लाख करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गई। यानी लेनदेन की राशि में 4,000 गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई।

उच्चतम न्यायालय ने तरुण तेजपाल को तीन हफ्ते में आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पत्रकार तरुण तेजपाल को निर्देश दिया कि वह 2013 के दुष्कर्म मामले में तीन हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करें, जिसमें बंबई उच्च न्यायालय ने उन्हें दोषी करार देते हुए 10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने

आत्मसमर्पण से राहत के अनुरोध वाली तेजपाल की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा, आत्मसमर्पण से छूट के अनुरोध वाली अर्जी खारिज की जाती है। हालांकि, याचिकाकर्ता (तेजपाल) को आत्मसमर्पण करने और इस अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते का समय दिया जाता है। शीर्ष अदालत ने सजा और दोषसिद्धि के फैसले के खिलाफ दायर तेजपाल की अपील को 22 सितंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

सीमा विवाद पर डोभाल और वांग यी के बीच विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने मंगलवार को चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ भारत-चीन सीमा विवाद और दोनों देशों के संबंधों में सुधार को लेकर विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की। इस वार्ता का इसलिए महत्व है, क्योंकि यह 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की भारत की संभावित यात्रा से पहले हुई है। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है, जब भारत-चीन के द्विपक्षीय संबंधों में सीमा और अरुणाचल प्रदेश को लेकर मतभेद प्रमुखता से बने हुए हैं। डोभाल और वांग दोनों ही सीमा वार्ता के लिए विशेष प्रतिनिधि हैं। यह व्यवस्था वर्ष 2003 में 3,488 किलोमीटर लंबी भारत-चीन सीमा से जुड़े विवाद के व्यापक समाधान के लिए की गई थी। वार्ता से पहले सोमवार को दो दिवसीय यात्रा पर बीजिंग पहुंचे डोभाल ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की।

भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि डोभाल और चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के बीच हुई बातचीत में सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति व स्थिरता मजबूत करने तथा दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुरूप आर्थिक, राजनीतिक और बहुपक्षीय क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और बेहतर बनाने के उपायों पर चर्चा हुई। डोभाल के साथ मुलाकात के दौरान झेंग ने कहा कि चीन और भारत को अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखना और संभालना चाहिए। साथ ही, दोनों देशों को अपने नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, झेंग ने कहा कि दोनों देशों को रणनीतिक आपसी विश्वास बढ़ाना, सहयोग की संभावनाओं का पूरा लाभ उठाना, बहुपक्षीय मंचों पर करीबी समन्वय बनाए रखना और मतभेदों को सही तरीके से सुलझाना चाहिए, जिससे चीन-भारत संबंधों के निरंतर और स्थिर विकास को बढ़ावा मिलेगा। साल 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प और पूर्वी लद्दाख में लंबे समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद नई दिल्ली और बीजिंग के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे।

भारत डेटा सेंटर के लिए भरोसेमंद गंतव्य : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तोक्यो/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को भारत को डेटा सेंटर के लिए एक आकर्षक गंतव्य बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए भारत जापानी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया की प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों से करीब 200 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिल चुकी है। जापान के अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्री अकाजावा रयोसेई के साथ बैठक के दौरान गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी को चार प्रमुख स्तंभों...व्यापार बढ़ाना, प्रौद्योगिकी सहयोग मजबूत करना, निवेश को बढ़ावा देना और पर्यटन को प्रोत्साहित करना...के आधार पर आगे बढ़ाया जा सकता है। गोयल ने कहा, ''डेटा सेंटर एक अन्य ऐसा क्षेत्र है जहां भारत एक भरोसेमंद साझेदार और आकर्षक गंतव्य के रूप में मजबूत संभावना पेश करता है। हम भारत में डेटा सेंटर को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। हमें दुनिया भर की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों से करीब 200 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता मिल चुकी है।'' उल्लेखनीय है कि बीते साल अक्टूबर से दिसंबर के बीच गूगल ने भारत में डेटा सेंटर सहित कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे में 15 अरब डॉलर, माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर और अमेजन ने 35 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। सरकार ने डेटा सेंटर क्षेत्र में निवेश बढ़ाने के लिए 2047 तक कर अवकाश देने का प्रस्ताव रखा है।

गोयल ने जापान के मंत्री को शीर्ष जापानी कंपनियों के कई प्रतिनिधियों के साथ हुई अपनी बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन कंपनियों ने भारत के साथ सहयोग बढ़ाने में काफी रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा, हमारी कुछ ऐसी क्षमताएं हैं जो जापान की तकनीकी प्रगति को समर्थन दे सकती हैं। हमने कई ऐसे क्षेत्रों पर चर्चा की, जहां साथ काम करने के स्पष्ट लाभ हैं।

इनमें एआई, सेमीकंडक्टर और उससे जुड़ा पूरा परिवेश शामिल हैं। भारत में इस क्षेत्र की बहुत बड़ी मांग है और इसका बाजार करीब 150 अरब डॉलर का होने का अनुमान है। इस बीच, यहां एक भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि जापान में देखभाल कर्मियों, नर्स, प्लंबर, बिजली मिस्त्रियों, राजमिस्त्रियों और बढ़ई के साथ-साथ एआई विशेषज्ञों, पीएचडी धारकों, इंजीनियरों और चार्टर्ड अकाउंटेंट जैसे उच्च कौशल वाले पेशेवरों की भी काफी मांग है। उन्होंने भारतीय समुदाय से लोगों को जापानी भाषा सीखने के लिए प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया।

कुछ ही समय में 70 मिलीमीटर बारिश से पानी-पानी हुआ गुरुग्राम; सड़कें धंसी, कई जगह जाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। गुरुग्राम में मंगलवार को लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में पानी भर गया, जिसकी वजह से शहर के लोगों को एक बार फिर जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। सोमवार को हुई तेज बारिश के बाद सड़कों पर भरा पानी अभी निकला भी नहीं था कि मंगलवार को रुक-रुक कर हुई बारिश और शाम को हुई तेज बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। जिला प्रशासन की ओर से जारी परामर्श को देखते हुए शहर के स्कूलों की कक्षाएं ऑनलाइन हुईं, जबकि कई कंपनियों ने कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा। शहर में दो जगह सड़क धंसने की घटनाएं हुईं।

गुरुग्राम के नगर निगम क्षेत्रों में 408 वर्षा जल संचयन प्रणालियां लगी होने के बावजूद जलभराव की समस्या बनी हुई है। लगभग 35 मिनट में करीब 70 मिलीमीटर बारिश हुई, जिससे कई प्रमुख सड़कें और अंडरपास पानी में डूब गए। सुभाष चौक पर नौ स्कूल बस समेत करीब 15 वाहन पानी में फंस गए। इन बसों में 300 से ज्यादा स्कूली बच्चे करीब दो घंटे तक फंसे रहे। एक अन्य घटना में दिल्ली-जयपुर राजमार्ग के किनारे इफ्को चौक पर सर्विस लेन का एक हिस्सा धंस गया और वहां बड़ा गड्ढा बन गया।

एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) की टीम मौके पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला कि जीएमडीए की सीवर लाइन में रिसाव के कारण सड़क के नीचे की मिट्टी बह गई, जिससे सड़क धंस गई। किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए प्रभावित हिस्से के आसपास बैरिकेड लगा दिए गए हैं।

आत्मशक्ति व आत्मशुद्धि के जागरण की साधना है तपस्या : डॉ.पदमचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति, हलसूर के तत्वावधान में आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी के सान्निध्य में तपस्याओं की झड़ी लगी हुई है। कुल 6 गतिशील मासक्षमण की तपाराधना में 3 तपस्यार्थी के 30 उपवास की पूर्णाहुति हुई। डॉ. पदमचंद्रमुनि ने कहा कि जैन धर्म में तपस्या शरीर को कष्ट देने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मशक्ति के जागरण, कर्म-निर्जरा और आत्मशुद्धि की साधना है। जीव आठ प्रकार के कर्मों से बंधा है और इन्हीं कर्मों के कारण संसार में सुख-दुःख का अनुभव करता है। तप की अग्नि कर्मों को क्षीण करने में सहायक बनती है।

उन्होंने कहा कि स्वाध्याय से व्यक्ति मैं कौन हूं, कहां से आया हूं और मुझे कहां जाना है' जैसे आत्मचिंतन के प्रश्नों की ओर बढ़ता है और ध्यान में चित्त की एकाग्रता के माध्यम से जब आत्मा में लीनता आती है, तब जीव भेद विज्ञान की स्थिति में पहुँच जाता है। तप का अंतिम लक्ष्य किसी लौकिक उपलब्धि की प्राप्ति नहीं, बल्कि कर्मबंधन से मुक्ति और मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ना है।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष किशनलाल कोठारी, कार्याध्यक्ष सुनील गादिया सहित जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोटावत, प्रांतीय अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा आदि ने तपस्वियों का सम्मान किया। ललित कांकरिया ने संचालन किया।

इस साल राखी पर कुल कारोबार 30,000 करोड़ रुपये पर पहुंचने का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राजधानी के बाजारों में इस साल बिक रही राखियों में भाई-बहन के प्यार के पारंपरिक संदेश के अलावा और भी बहुत कुछ है। इनमें स्वदेशी गर्व और सरकारी पहल जैसे विकसित भारत, ब्रह्मोस और महिला सशक्तीकरण की झलक मिलती है।

साथ ही, व्यापारियों का अनुमान है कि देश में राखी का व्यापार लगभग 25,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुमान के मुताबिक, मिठाई, सूखे मेवे, उपहार, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य सामान सहित राखी त्योहार पर कुल व्यापार 30,000 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकता है। अकेले दिल्ली में इस व्यापार का हिस्सा 4,000 करोड़ रु. होने की उम्मीद है। रक्षा बंधन 28 अगस्त को है। त्योहार से पहले दिल्ली के बाजारों जैसे चांदनी चौक, सदर बाजार, करोल बाग, लाजपत नगर, कमला नगर, राजौरी गार्डन, गांधी नगर, खारी बावली और लक्ष्मी नगर-में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। भाजपा सांसद और कैट के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, पहले राखियां ज्यादातर चीन से आती थीं। 2020 के बाद यह भावना बनी कि हमें अपने स्थानीय और स्वदेशी उत्पाद बनाने चाहिए। उन्होंने ग्राहकों की सोच में आए इस बदलाव को 2020 की गलवान घाटी झड़प के बाद की स्थिति से जोड़ा। खंडेलवाल ने आगे कहा कि युवा ग्राहकों के बीच मुद्दे-आधारित राखियों की मांग खास तौर पर देखी जा रही है, जबकि 'नारी वंदन' और 'लखपति दीदी' राखियां महिला खरीदारों को आकर्षित कर रही हैं। लेकिन बाजार सिर्फ साफ तौर पर राजनीतिक डिजाइनों तक ही सीमित नहीं है। कारीगर क्षेत्रीय परंपराओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। नागपुर की खादी राखियां, जयपुर की सांगानेरी आर्ट वाली राखियां, पुणे की बीज वाली राखियां, असम की चाय-पत्ती वाली राखियां, कोलकाता की जूट वाली राखियां, और बिहार की बांस और मधुबनी आर्ट वाली राखियां भी बेची जा रही हैं। स्वदेशी उत्पादों को पसंद किए जाने से महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों को मौसमी अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका मिल रही है।

श्रीशैलम में एक ही परिवार के पांच लोग मृत मिले, पुलिस को आत्महत्या का संदेह

श्रीशैलम/भाषा। आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में मंगलवार को एक लॉज में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए। पुलिस को संदेह है कि स्वास्थ्य और आर्थिक परेशानियों के कारण उन्होंने संभवत: आत्महत्या की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, श्री सत्य साईं जिले के बट्टलापल्ली गांव निवासी पल्लापु सुधाकर (36) अपनी तीन बहनों और 15 वर्षीय भांजे के साथ 28 जुलाई को श्रीशैलम आए थे। पांचों सुधाकर के ऑटोरिक्शा से श्रीशैलम पहुंचे और वड्डे सत्रम में एक कमरा किराये पर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यहां वड्डे सत्रम में मंगलवार को एक कमरे में एक ही परिवार के पांच सदस्य मृत मिले। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि संभवत: स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आर्थिक परेशानियों के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। लॉज के कर्मचारियों ने देखा कि मंगलवार को कमरे का दरवाजा बंद है और अंदर से दुर्गंध आ रही है जिसके बाद खिड़की खोली।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर यूडीएफ घटा, घरेलू यात्रियों से अब 515 रुपये शुल्क लिया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (एईआरए) ने हैदराबाद हवाई अड्डे से रवाना होने वाले यात्रियों के लिए उपयोगकर्ता विकास शुल्क (यूडीएफ) घटा दिया है।

घरेलू यात्रियों के लिए अब यह शुल्क 515 रुपये और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 1,030 रुपये होगा। एईआरए ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि नई दरें एक सितंबर, 2026 से लागू होंगी और 31 मार्च, 2031 तक प्रभावी रहेंगी। नियामक ने कहा कि 2026-31 की अवधि के लिए शुल्क का निर्धारण 'अतिरिक्त समग्र राजस्व आवश्यकता' व्यवस्था के आधार पर किया गया है। एईआरए ने कहा, घरेलू यात्रियों के लिए यूडीएफ 515 रुपये प्रति यात्री के उचित स्तर पर निर्धारित किया गया है। यह हवाई अड्डा संचालक द्वारा प्रस्तावित 580 रुपये प्रति यात्री के शुल्क से कम है और हवाई अड्डे पर वर्तमान में लगाए जा रहे 750 रुपये के यूडीएफ से भी कम है। एईआरए ने इस अवधि के लिए लैंडिंग शुल्क भी तय किया है। घरेलू उड़ानों के लिए यह 435 रुपये प्रति टन और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 630 रुपये प्रति टन होगा। नियामक ने हैदराबाद हवाई अड्डे के लिए परिवर्तनीय शुल्क योजना (वीटीपी) को भी मंजूरी दी है। इसके तहत निर्धारित शर्तें पूरी करने पर लैंडिंग शुल्क में प्रोत्साहन दिया जाएगा। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) करती है।

गुण सहित मनुष्य भव मिलना सौभाग्य : साध्वी स्वागतश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हनुमंतनगर जैन भवन में विराजित साध्वीश्री स्वागतश्रीजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य भव मिलना सौभाग्य है, लेकिन केवल आकृति से मनुष्य बनना काफी नहीं है। हमें अपने जीवन में तीन गुणों को भी उतारना है। पहला है धार्मिक मनुष्य जो समय पर सामायिक, प्रतिक्रमण, देव दर्शन करता है। दूसरा है संवेदनशील मनुष्य यानी आज धर्म तो बहुत है पर संवेदना खत्म होती जा रही है। मनुष्य ने मोबाइल में मन लगा लिया है, पड़ोसी के दुःख को देखना बंद कर दिया है। जहाँ संवेदना नहीं, वहाँ धर्म नहीं टिकता।तीसरा और सबसे ऊँचा स्वरूप है आध्यात्मिक मनुष्य, यानी धार्मिक मनुष्य मंदिर जाता है, संवेदनशील मनुष्य दूसरों के आंसू पोंछता है लेकिन आध्यात्मिक मनुष्य अपने अंदर के विकारों को मिटाता है। अपने आप को पहचानें। बाहर की यात्रा तो सभी कर रहे हैं, एक बार अंदर की यात्रा भी करके देखो। क्रोध, मान, माया, लोभ को घटाना ही अध्यात्म है। प्रवचन के दौरान साध्वीश्री प्रणामश्रीजी, दुंदुभिश्रीजी, निर्ग्रन्थश्रीजी आदि भी उपस्थित थीं। अध्यक्ष गौतमचन्द सिंघवी ने सभी के प्रति आभार जताया तथा संचालन संघ के मंत्री सुरेश धोका ने किया।

जिनवाणी है जीवन का सच्चा गहना : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस

सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने कहा कि जिनवाणी गहना है। आत्मा की सजावट साज सज्जा महवपूर्ण है पर शरीर का श्रृंगार कोई मायने नहीं रखता, जीवन का सच्चा गहना तो प्रभु की आज्ञा और वाणी है। व्यक्ति को अपनी सोच व विचारों को बदलकर सकारात्मकता की ओर जाना चाहिए। सोच बदलने से विचारों में बदलाव आता है और आत्मा पवित्र होती है। आत्मा पर कर्म के लेप को कम कर हमें तप के लेप का आवरण चढ़ाना चाहिए। रवि मुनिजी ने विपाक सूत्र के माध्यम से तप त्याग की प्रेरणा दी।

मन की गुलामी जीवन की निकृष्टतम दासता : विमलसागरसूरीश्वर

हैदराबाद/दक्षिण भारत। स्थानीय महावीरस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में कल्याणकारी तपागच्छ वर्षावास समिति की ओर से आयोजित शत्रुंजय तपाराधना के पारणा महोत्सव में जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी

ने कहा कि दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं। एक वे जो मन के गुलाम होते हैं, दूसरे वे जिनका मन गुलाम होता है। मन की गुलामी जीवन की निकृष्टतम दासता है, वह कभी समाप्त नहीं होती। जिनका मन गुलाम होता है, वे राजादिल लोग हैं। सारी दासताओं और याचनाओं से परे वे संतोष की भूमिका पर परितृप्ति के आनंद का अनुठा अनुभव करते हैं। तपस्या के निमित होटलों में अथवा रात के समय भोजन समारोह नहीं होने चाहिए। उसी तरह तपसाधना के उपलक्ष्य में रुपयों या भेंट-सौगातों का लेन-देन करना भी सर्वथा अनुचित है। कुरीतियों को रोककर ही हम साधना की पवित्रता और समाज की स्वच्छता को बरकरार रखना चाहिए। समाज के प्रबुद्ध और समृद्ध वर्ग को सामाजिक-धार्मिक क्रांति के लिए आगे आना चाहिए।कुरीतियों को मिटाने की सबसे अधिक जिम्मेदारी उन्हीं की बनती हैं। यहां शत्रुंजय तापराधना के तपस्वियों की शोभायात्रा का आयोजन किया गया।

आत्मचिंतन व साधना के पवित्र केंद्र होते हैं मंदिर : मुनिश्री वीरसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने मंदिर की मर्यादा, पूजा में सजगता तथा

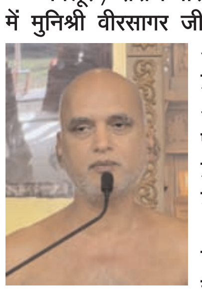

आध्यात्मिक जीवन में सावधानी के विषय पर प्रभावशाली प्रवचन देते हुए कहा कि केवल मंदिर आना, दर्शन करना, अभिषेक एवं पूजन करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मंदिर में रहते हुए हमारी प्रत्येक गतिविधि, वाणी और भावना भी धर्मानुकूल होनी चाहिए।

उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि यदि किसी कमरे की सफाई करने के बाद भी खिड़कियां खुली छोड़ दी जाएं और बाहर से धूल लगातार आती रहे, तो सफाई का वास्तविक लाभ नहीं मिल सकता। इसी प्रकार साधक एक ओर धार्मिक क्रियाएं करता रहे और दूसरी ओर अपने आचरण से कर्मबंध के कारणों को बढ़ाता रहे, तो उसकी आध्यात्मिक प्रगति बाधित होती है। मंदिर आत्मचिंतन, तत्त्वचर्चा और साधना का पवित्र केंद्र है। मंदिर परिसर में गृहस्थी, व्यापार, नौकरी अथवा अन्य सांसारिक विषयों की चर्चा करने से उसकी आध्यात्मिक गरिमा प्रभावित होती है।

'कांदा एक्सप्रेस' के जरिए कल मिलेगी 800 टन प्याज की आपूर्ति

नई दिल्ली/भाषा। सरकार राष्ट्रीय राजधानी में सब्सिडी वाली दर यानी 35 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव से प्याज बेचेगी। यह मौजूदा औसत खुदरा कीमत से लगभग 36 प्रतिशत कम है। इसके लिए पहली 'कांदा एक्सप्रेस' के जरिये बुधवार को 800 टन प्याज की आपूर्ति यहां पहुंचेगी।

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नाफेड, एनसीसीएफ और केंद्रीय भंडार स्टोर के जरिये प्याज बेचा जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि खास रेलवे रैक के जरिये चेन्नई, एर्नाकुलम, मदुरै और गुवाहाटी जैसे चार अन्य केंद्रों पर भी बड़ी मात्रा में प्याज भेजा जा रहा है। इन खपत केंद्रों पर भेजा जा रहा

प्याज महाराष्ट्र के नासिक में रखा गया बफर स्टॉक है। कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए यह स्टॉक जारी किया जा रहा है।

प्याज की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत एक महीने में 28 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 25 अगस्त को 44.72 रुपये प्रति किलो हो गई, जो 25 जुलाई को 34.80 रुपये प्रति किलो थी।

एक साल पहले इसी दिन कीमत 28.67 रुपये प्रति किलो थी, जो 56 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी को दिखाती है।

तिरुवोनम पर 'महाबली' के स्वागत के लिए तैयारी में जुटे केरलवासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल सहित पूरी दुनिया में बसे मलयाली समुदाय के लोग बुधवार को 'तिरुवोनम' पर्व मनाने की तैयारियों में जुटे हैं। त्योहार की पूर्व संध्या यानी 'उथराडम' के दिन पौराणिक असुर राजा महाबली के स्वागत के लिए घरों में आखिरी दौर की खरीदारी व तैयारियां देखने को मिलीं।

मलयालम कैलेंडर के अनुसार, इस वर्ष 10 दिवसीय ओणम उत्सव की शुरुआत 16 अगस्त को 'अथम' के दिन हुई थी, जिसका समापन 26 अगस्त को 'तिरुवोनम' के साथ होगा। ओणम के अवसर पर केरल के बाजारों, सड़कों और घरों में जबरदस्त चहल-पहल देखी गई। लोग त्योहार की खुशियों के लिए सब्जियां, फल, फूल, किराना सामान और नए कपड़े खरीदने के लिए दुकानों पर उमड़ पड़े। 'उथराडम' को ओणम का पहला दिन माना जाता है। पारंपरिक रूप से इस दिन राजा महाबली के स्वागत की अंतिम तैयारियां की जाती हैं। ऐसी मान्यता है कि राजा महाबली तिरुवोनम के दिन अपनी प्रजा से मिलने आते हैं। दस दिवसीय ओणम उत्सव अब अपने चरम पर पहुंच रहा है। परिवार भव्य भोज (सद्या) की व्यवस्था करने, आंगन को 'पुक्कलम' (फूलों की रंगोली) से सजाने और अतिथियों का स्वागत करने की तैयारियों में व्यस्त हैं। पूरे राज्य में 'उथराडप्पचिल' यानी ओणम की खरीदारी की अंतिम समय की होड़ साफ दिखाई दी। कपड़ा दुकानों, सब्जी मंडियों, फूल बाजारों, सुपरमार्केट और सड़क किनारे के विक्रेताओं के पास भारी भीड़ उमड़ी। लोग गेंदा, गुलदाउदी और चमेली जैसे फूलों की खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचे, ताकि त्योहार की बड़ी फूलों की रंगोली बनाई जा सके। इसके साथ ही, पारंपरिक ओणम 'सद्या' (भोज) के लिए केले के पत्तों, सब्जियों और अन्य सामग्रियों की भी भारी मांग रही।

2029 में लोकसभा और विधानसभा एक साथ कराना संभव नहीं : चिदंबरम

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने मंगलवार को कहा कि वर्ष 2029 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संभव नहीं है। उन्होंने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संबंधी विधेयकों के खिलाफ कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों द्वारा देशव्यापी अभियान चलाए जाने की चेतावनी भी दी।

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री का यह बयान 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' से जुड़े विधेयकों पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष पीपी चौधरी की टिप्पणी के एक दिन बाद आया है। चौधरी ने सोमवार को कहा था कि संविधान में संशोधन और राज्य सरकारों की सहमति हुई तो 2029 में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराना संभव है। चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने चौधरी का यह बयान पढ़ा है कि एक साथ चुनाव 2029 में संभव हैं। चौधरी 2024 के संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार के लिए गठित 31 सदस्यीय जेपीसी के अध्यक्ष हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में भीड़ प्रबंधन में मदद करेगा आईआईटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर में कतार प्रबंधन व्यवस्था लागू करने के लिए आईआईटी-भुवनेश्वर से सम्पर्क किया है। इसके तहत देवताओं के बेहतर दर्शन के लिए लकड़ी के रैंप भी बनाए जाएंगे। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हरिचंदन ने बताया कि आईआईटी-भुवनेश्वर ने कतार प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रारूप तैयार किए हैं, जिन्हें भुवनेश्वर में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा, ''जल्द ही सबसे बेहतर प्रारूप का प्रायोगिक मॉडल तैयार किया जाएगा और इसकी निगरानी छत्तीसा नियोग (सेवकों की शीर्ष संस्था) तथा मंदिर प्रशासन करेगा।'' पुरी स्थित 12वीं सदी के इस मंदिर का संचालन कानून विभाग के अधीन है। हरिचंदन ने कहा कि हर दिन लाखों श्रद्धालु मंदिर पहुंचते हैं और त्योहारों के दौरान यह संख्या कई

गुना बढ़ जाती है, जिससे भीड़ का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती बन जाता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं।'' मंत्री ने कहा कि आईआईटी-भुवनेश्वर की कतार प्रबंधन व्यवस्था लागू होने के बाद श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के व्यवस्थित तरीके से दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा, ''प्रस्ताव के अनुसार दर्शन के लिए पांच अलग-अलग रैंप का इस्तेमाल किया जाएगा। हर घंटे 8,000 से 10,000 श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। इससे दर्शन अधिक व्यवस्थित और सुगम होंगे।'' हरिचंदन ने बताया कि 'नाट मंडप' और 'जगमोहन' (सभा कक्ष) के भीतर ऊंचे लकड़ी के रैंप लगाने के राज्य सरकार के मूल प्रस्ताव में अब काफी बदलाव किया जाएगा।

सज्जन कुमार के निधन के बाद सिख दंगा मामले में उनकी सजा के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार की मौत के बाद मंगलवार को 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े हत्या के एक मामले में उनकी सजा को चुनौती देने की अपील का मामला बंद कर दिया।

सज्जन कुमार 1984 के दंगों से जुड़े मामले में तिहाड़ जेल में दोहरी उम्रकैद की सजा काट रहे थे। उनकी 20 अगस्त को मौत हो गई। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति विकास महाजन की पीठ ने कहा, इसे (कुमार के निधन) देखते हुए, वर्तमान अपील को

समाप्त किया जाता है। मामला 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से जुड़ा था। इकत्तीस अक्टूबर 1984 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी, जिसके बाद दिल्ली में सिख विरोधी दंगे शुरू हो गए थे।

बारह फरवरी 2025 को दोषी ठहराए जाने के बाद 25 फरवरी 2025 को यहां की एक अदालत ने कुमार को इस मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। निचली अदालत ने कहा था कि दो निर्दोष लोगों की हत्या भी कम गंभीर अपराध नहीं थी, लेकिन यह ऐसा दुर्लभतम मामला नहीं था, जिसमें मौत की सजा दी जाए। निचली अदालत ने कुमार को पीड़ितों के घर में आग लगाने वाली भीड़ का हिस्सा होने के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई थी। भीड़ ने दोनों पीड़ितों की बेरहमी से हत्या करने के साथ-साथ उनका सामान भी लूट लिया था। अदालत ने कुमार पर करीब 2.4 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था। इससे पहले, 17 दिसंबर 2018 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने सिख विरोधी दंगों से जुड़े अन्य मामले में कुमार को पांच सिखों की हत्या और एक गुरुद्वारे को जलाने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

एच1एन1 के किसी नए स्वरूप की पहचान नहीं : आईसीएमआर महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने मंगलवार को कहा कि भारत में एच1एन1 संक्रमण के मामलों में मौजूदा वृद्धि मौसमी इन्फ्लुएंजा के सामान्य चलन का हिस्सा है और वायरस के किसी नए स्वरूप की पहचान नहीं हुई है।

बहल ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अधिकतर मामले गंभीर नहीं हैं और मरीज बिना किसी विशेष उपचार के अपने आप ठीक हो जाते हैं।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इन्फ्लुएंजा की मौजूदा स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बहल ने कहा, देश में इस समय फैल रहे इन्फ्लुएंजा वायरस हाल के वर्षों में देखे गए मौसमी चलन के अनुरूप हैं। स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर)-आईसीएमआर की 73 विषाणु अनुसंधान एवं नैदानिक प्रयोगशालाओं (वीआरडीएल) के नेटवर्क के जरिये की जा रही जीनोमिक और महामारी विज्ञान संबंधी निगरानी से भी इस संबंध में भरोसा बढ़ा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में फैल रहे इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1) वायरस की पहचान ए/मिसौरी/11/2025 (एच1एन1) पीडीएम09' जैसे वायरस के रूप में हुई है। बहल ने कहा कि 'हीमैग्लूटिनिन' (एचए) जीन के विश्लेषण में वायरस को आनुवंशिक समूह 6बी.1ए.5ए2ए और उसके उपसमूह डी.3.1.1 में रखा गया है। उन्होंने कहा कि वायरस का यह स्वरूप 2025 से भारत में लगातार फैल रहा है और इसमें देखे गए आनुवंशिक बदलाव मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस में सामान्य रूप से होने वाले छोटे बदलावों के अनुरूप हैं।

बहल ने कहा कि इन्फ्लुएंजा वायरस के फैलने के दौरान इस तरह के मामूली आनुवंशिक बदलाव आम तौर पर होते रहते हैं और इनसे यह संकेत नहीं मिलता कि वायरस का कोई नया या खतरनाक स्वरूप सामने आया है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति से इन्फ्लुएंजा के किसी नए खतरे का संकेत नहीं मिलता और यह मौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस के सामान्य व्यवहार के अनुरूप है।

बहल ने कहा कि इन्फ्लुएंजा ए (एच1एन1) सहित मौसमी इन्फ्लुएंजा स्वस्थ लोगों में गंभीर श्वसन बीमारी का आम तौर पर कारण नहीं बनता और मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं। इसके सामान्य लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बदन दर्द, थकान और कमजोरी शामिल हैं।

कर्नाटक के मंत्री बी. नागेंद्र के इस्तीफे की मांग को लेकर बल्लारी तक प्रस्तावित पदयात्रा के संबंध में मंगलवार को बेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलावडी नारायणस्वामी और अन्य भाजपा नेता।

बीजेपी-जद (एस) 'कांग्रेस सरकार की नाकामी' के ख़िलाफ़ निकालेगी पदयात्रा

रायचूर से बेल्लारी तक 200 किलोमीटर की पदयात्रा / एक से दस सितंबर तक चलेगी पदयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मंगलवार को बताया कि राज्य में कांग्रेस सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने के लिए पार्टी एक से 10 सितंबर तक रायचूर से बल्लारी तक 10 दिवसीय पदयात्रा निकालेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य मंत्रिमंडल में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे बी नागेंद्र को शामिल किए जाने के अलावा किसानों की बदहाली, बेरोजगारी, आरक्षण के मुद्दों और भर्ती में भ्रष्टाचार के आरोपों को भी उठाएगी। विजयेंद्र ने कहा कि करीब 200 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा एक सितंबर को रायचूर से शुरू होगी और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी इसका उद्घाटन करेंगे। पदयात्रा का समापन बल्लारी में होगा। उन्होंने कहा कि जद(एस) भाजपा के नेतृत्व में होने वाली इस पदयात्रा को पूरा समर्थन देगी और उसके नेताओं के उद्घाटन तथा समापन कार्यक्रमों में शामिल होने की उम्मीद है। विजयेंद्र ने कहा, इस पदयात्रा का उद्देश्य इस जनविरोधी, गरीब-विरोधी, किसान-विरोधी, युवा-विरोधी और विकास-विरोधी कांग्रेस सरकार के असली रंग को उजागर करना तथा राज्य के लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा कर्नाटक राज्य महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित भूमिका को लेकर नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग भी पदयात्रा के दौरान उठाएगी। उन्होंने कहा, हमने भ्रष्ट मंत्री नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग से शुरुआत करते हुए इन सभी मुद्दों को उठाने का फैसला किया है।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि सरकार सूखे से प्रभावित किसानों की बदहाली दूर करने में विफल रही है और राज्य में करीब 2.5 लाख पद खाली हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वृद्धावस्था पेंशन, संध्या सुरक्षा लाभ, गरीबों के लिए आवास और गंगा कल्याण योजनाओं को ठीक से लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने हाल में विधानसभा सत्र की अवधि कम किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से बचने के लिए ऐसा किया। उन्होंने कहा, अगर इन सभी मुद्दों पर विधानसभा में चर्चा होती तो इस कांग्रेस सरकार का मुखौटा उतर जाता।

विजयेंद्र ने शिवकुमार पर शासन और विकास के बजाय रियल एस्टेट से जुड़ी परियोजनाओं पर ध्यान देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने प्रस्तावित बिड़दी टाउनशिप परियोजना, उनके गृह नगर कनकपुरा में हवाई अड्डे और सरकार द्वारा नाइस परियोजना अपने हाथ में लेने के कदम का हवाला देते हुए आरोप लगाया, कुल मिलाकर, शिवकुमार की दिलचस्पी रियल एस्टेट के इर्द-गिर्द घूमती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आरक्षण को लेकर खेल खेल रही है और ओबीसी आरक्षण पर स्पष्ट रुख अपनाने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने वाल्मीकि समुदाय के लिए आरक्षण तीन प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत किया था। विजयेंद्र ने कहा कि भाजपा पदयात्रा के दौरान उत्तर कर्नाटक और सिंचाई परियोजनाओं के मुद्दे भी उठाएगी। शिकारिपुरा के विधायक ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार में डूबी इस कांग्रेस सरकार को सड़कों पर लाकर बेनकाब करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री और जद(एस) नेता एच डी कुमारस्वामी ने उन्हें कार्यक्रम के लिए समर्थन का आश्वासन दिया है।

विजयेंद्र ने कहा, जद(एस) हमारी पदयात्रा को पूरा समर्थन दे रही है। वे उद्घाटन के साथ-साथ समापन कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। विपक्ष कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में कथित 89 करोड़ रुपये की अनियमितताओं को लेकर नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग कर रहा है। नागेंद्र को हटाने की मांग को लेकर दोनों सदनों में भाजपा के विरोध के कारण विधानसभा सत्र तीन दिन पहले ही स्थगित करना पड़ा था। दोनों सदनों को 27 अगस्त तक चलने के बजाय विपक्ष के हंगामे के कारण सोमवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया।

राज्यपाल ने केपीएससी के अध्यक्ष साहूकार को फिर निलंबित किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने भ्रष्टाचार और बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोपों के चलते कर्नाटक लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को राज्य मंत्रिमंडल की सलाह पर मंगलवार को निलंबित कर दिया। यह दूसरी बार है जब शिवशंकरप्पा को निलंबित किया गया है। राज्यपाल ने 13 जुलाई को साहूकार को निलंबित कर दिया था लेकिन कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस आधार पर आदेश को रद्द कर दिया कि इस कार्रवाई में 'राज्य मंत्रिमंडल की सलाह और मदद' शामिल नहीं थी।

राज्य मंत्रिमंडल ने 21 अगस्त को उन्हें निलंबित करने की सिफारिश करने का फैसला किया। राज्यपाल के विशेष सचिव प्रभु शंकर की ओर से जारी बयान में कहा गया है, कर्नाटक उच्च न्यायालय के 18 अगस्त के आदेश के अनुसार, राज्यपाल ने राज्य मंत्रिमंडल की सलाह पर 21 अगस्त को कर्नाटक लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को संविधान के अनुच्छेद 317 (2) के तहत, भारत के राष्ट्रपति के अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, कर्नाटक लोक सेवा आयोग के सबसे वरिष्ठ सदस्य को अगले आदेश तक आयोग के अध्यक्ष के तौर पर काम करने का निर्देश दिया गया है।

साहूकार को राज्यपाल ने तब निलंबित कर दिया था जब उन पर अपनी दो बेटियों को औद्योगिक विस्तार अधिकारी के तौर पर कथित तौर पर गैर-कानूनी तरीके से चुने जाने में मदद करने का आरोप लगा था। पशुचिकित्सकों की भर्ती में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप लगे थे।

राज्यपाल ने दिव्यांगजनों द्वारा संचालित मिट्टी कैफे का उद्घाटन किया

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मंगलवार को बेंगलूरु के प्रतिष्ठित 1 एमजी मॉल में दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा संचालित नए मिट्टी कैफे का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि दिव्यांग व्यक्ति राष्ट्र के मानव संसाधन का अभिन्न अंग हैं और लक्ष्य यह होना चाहिए कि उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उन्हें देश के विकास में सक्रिय भागीदार बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत सरकार सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत के अनुरूप दिव्यांग व्यक्तियों के व्यापक सशक्तिकरण के लिए सराहनीय और अभूतपूर्व पहल कर रही है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को याद करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में विकलांग व्यक्तियों के कल्याण, अधिकारों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं, सुविधाएं और विधायी उपाय शुरू किए गए हैं।उन्होंने कहा, दिव्यांग व्यक्तियों में अपार प्रतिभा, आत्मविश्वास और क्षमता होती है। उन्हें समान अवसर प्रदान करना समाज का दायित्व है। राज्यपाल ने कहा कि मिट्टी कैफे, कैफे की एक श्रृंखला है जो शारीरिक, बौद्धिक और मनोसामाजिक विकलांगता वाले वयस्कों को अनुभवात्मक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करने के लिए संगठन के प्रयासों की सराहना की, जिससे विकलांग व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सकें। उन्होंने कहा, सहानुभूति से कहीं अधिक अवसर ही सशक्तिकरण का सच्चा मार्ग है।

जब दिव्यांग व्यक्तियों को सही मंच प्रदान किया जाता है, तो वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। समावेशी और न्यायसंगत समाज के निर्माण में योगदान के लिए मिट्टी कैफे की संस्थापक अलीना आलम और उनकी टीम की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ऐसे सामाजिक उद्यम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रदर्शन

बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में बिदादी टाउनशिप परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते बिडदी के किसान, अभिनेता प्रकाश राज, कार्यकर्ता एस.आर. हिरेमठ, चुक्की नंजुंदास्वामी और अन्य।

कर्नाटक में एसआईआर के दौरान 1.08 करोड़ मतदाता एएसडीडीओ श्रेणी में

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार से अपील की कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट और 'अन्य' (एएसडीडीओ) श्रेणी में रखे गए करीब 1.08 करोड़ लोगों को दावे और आपत्तियां दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। उन्होंने कहा कि दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि इतनी लंबी होनी चाहिए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से बाहर न रह जाए। सीईसी को लिखे पत्र में शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक में 5.54 करोड़ मतदाताओं में से करीब हर पांचवां मतदाता एएसडीडीओ श्रेणी में रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद करीब 43.80 लाख मतदाताओं को 'तार्किक विसंगतियों' या 2002 की मतदाता सूची से उनका नाम जुड़े होने का प्रमाण नहीं मिलने के संबंध में सत्यापन नोटिस जारी किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अकेले बेंगलूरु में 46.88 लाख मतदाताओं को एएसडीडीओ श्रेणी में रखा गया है। इसके परिणामस्वरूप कर्नाटक में करीब 1.50 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने का खतरा है, जब तक कि वे अपने नाम बनाए रखने या नए सिरे से शामिल किए जाने के लिए दावे दाखिल नहीं करते।

शिवकुमार ने कहा कि 'अनुपस्थित' श्रेणी में रखे गए कई लोग वास्तविक मतदाता हो सकते हैं, जो काम, स्वास्थ्य या अन्य जायज कारणों से उस समय घर पर मौजूद नहीं थे, जब बूथ स्तर के अधिकारी (बीएलओ) उनके यहां पहुंचे और वे अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि इसी तरह, जो मतदाता दूसरे मतदान केंद्र के क्षेत्र में स्थानांतरित हो गए हैं, उन्हें बीएलओ के घर-घर दौरे के दौरान नए पते पर गणना प्रपत्र जमा करने का अवसर नहीं मिला, जबकि पुराने पते की मतदाता सूची से उनके नाम हटा दिए गए।

मुख्यमंत्री ने सीईसी से दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि बढ़ाने का अनुरोध करते हुए कहा कि मसौदा सूची में नाम नहीं होने वाले वास्तविक मतदाताओं (जिनमें एएसडीडीओ श्रेणी के लोग भी शामिल हैं) को अपनी स्थिति जानने और फॉर्म-6 के माध्यम से दावा दाखिल करने के लिए पर्याप्त समय मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में निकट भविष्य में कोई चुनाव नहीं होने के कारण इस अवधि को बढ़ाना पूरी तरह संभव है। शिवकुमार ने सीईसी से मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को शहरी क्षेत्रों में वार्ड समितियों की बैठक और ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाएं आयोजित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारियों को विशेष निर्देश देने का आग्रह किया। उन्होंने इन बैठकों के लिए पर्याप्त समय पहले व्यापक प्रचार-प्रसार किए जाने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि सत्यापन का सामना कर रहे मतदाताओं को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री के मुताबिक, 'तार्किक विसंगतियों' और 2002 की मतदाता सूची से नाम का लिंक नहीं होने से जुड़े मामलों में नोटिस जारी करने और उनका निपटारा करने के लिए प्रस्तावित करीब 45 दिनों की अवधि काफी कम है।

शिवकुमार ने कहा कि मतदाता को जवाब देने के लिए करीब एक सप्ताह का समय और उसके बाद दूसरा नोटिस देना कामकाजी लोगों, प्रवासियों तथा बुजुर्गों के लिए अनुचित बोझ डाल सकता है, खासकर तब जब जरूरी दस्तावेज जुटाने या यात्रा करने की जरूरत हो।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल के वार्ड में महिला के साथ मिला विचाराधीन कैदी एक सरकारी कर्मी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडया। मंडया स्थित एमआईएमएस अस्पताल के विशेष वार्ड में इलाज के लिए भर्ती विचाराधीन कैदी एक सरकारी अधिकारी मंगलवार को कर्नाटक राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (केएसएलएसए) के औचक निरीक्षण के दौरान एक महिला के साथ पाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केएसएलएसए की टीम ने सोमवार शाम एमआईएमएस अस्पताल का निरीक्षण किया था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, निरीक्षण के दौरान पता चला कि भ्रष्टाचार के एक मामले में विचाराधीन कैदी भूमि अभिलेख के सहायक निदेशक (एडीएलआर) के सर्वेक्षण पर्यवेक्षक महमद हुसैन.21 अगस्त से मांडया आयुर्विज्ञान संस्थासन (एमआईएमएस) अस्पताल में भर्ती था।

सूत्रों ने बताया कि हुसैन को अस्पताल में भर्ती करने के लिए होने के लिए अदालत की अनुमति नहीं ली गयी थी और उसे ऐसी कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या भी नहीं थी, जिसके लिए इस तरह के इलाज की आवश्यकता हो। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान हुसैन अस्पताल के वार्ड में एक महिला के साथ उसी कमरे में पाया गया। यह पूछे जाने पर कि क्या मामले में पुलिस ने जांच शुरू की है, पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ''जो लोग वहां पहरेदार के तौर पर तैनात थे तथा महिला के कमरे के अंदर प्रवेश के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।''

अधिकारियों के अनुसार, श्रीरंगपट्टण स्थित भूमि अभिलेख के सहायक निदेशक (एडीएलआर) कार्यालय में लोकायुक्त की छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किए गए हुसैन को लोकायुक्त अधिकारियों की कार्रवाई के एक दिन बाद तीन जुलाई को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। हुसैन पर श्रीरंगपट्टण तालुक भूमि अभिलेख कार्यालय में कथित तौर पर अवैध रूप से प्रवेश करने तथा सरकार के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर अकरबंद (भूमि सीमांकन) कार्य में मदद करने, रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने और फर्जी दस्तावेज तैयार करने का आरोप है। निरीक्षण टीम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा डीएलएसए अध्यक्ष चंद्रशेखर सी, केएसएलएसए सदस्य सचिव शशिधर शेट्टी, जनसंपर्क अधिकारी बालासुब्रमणि, सदस्य डॉ. मोहन राव नलवाडे और डीएलएसए सदस्य सचिव आनंद एम शामिल थे।

मुलाकात

कर्नाटक के विभिन्न हिस्सों से आए मठ प्रमुखों ने मंगलवार को बेंगलूरु स्थित मुख्यमंत्री गृह कार्यालय 'कृष्णा' में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से मुलाकात की।

दिनाकरन ने राज्यपाल से विधायकों की खरीद फरोख्त के ख़िलाफ़ कार्रवाई की मांग की

चेन्नई। अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) प्रमुख टीटीवी दिनाकरन ने मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से सत्तारूढ़ तमिल मुनेत्र कषगम (टीवीके) के खिलाफ लगाए गए विधायकों के खरीद-फरोख्त के आरोपों के संबंध में उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने मन्नारगुड़ी के विधायक एस कामराज को अयोग्य ठहराने की भी मांग की। कामराज को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली टीवीके के समर्थन में बयान देने के कारण एएमएमके से निष्कासित कर दिया गया था। दिनाकरन ने इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष जे सी प्रभाकर को याचिका सौंपकर संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत कामराज के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दिनाकरन ने कहा, ''मैंने राज्यपाल से यह जांच शुरू करने का आग्रह किया है कि विधायकों/सांसदों की खरीद-फरोख्त और राजनीतिक दलबदल के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की।''

तमिलनाडु विधानसभा में प्राकृतिक संसाधनों, उद्योग और डिजिटल सेवाओं के लिए अनुदान पर हुई चर्चा

चेन्नई । तमिलनाडु विधानसभा में मंगलवार को प्राकृतिक संसाधन, उद्योग, निवेश प्रोत्साहन, वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल सेवाओं जैसे प्रमुख विभागों के लिए अनुदान की मांगों पर चर्चा हुई। सरकार के पहले बजट की प्रस्तुति और उस पर बहस के बाद चल रहा सत्र अब विभाग-वार चर्चा के चरण में पहुंच गया है।

विधानसभा में 5 अगस्त को आम बजट और 6 अगस्त को कृषि बजट पेश किया गया था। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने 7, 10 और 11 अगस्त को इन दोनों बजटों पर तीन दिनों तक बहस की। वित्त मंत्री मारिया विल्सन और कृषि मंत्री विनोद ने 12 अगस्त को बहस का जवाब दिया और विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों और आलोचनाओं को संबोधित किया।

सत्वा ग्रुप ने डिफेंस कॉलोनी पार्क का पुनर्विकास किया

बेंगलूरु। सत्वा ग्रुप ने अपनी सीएसआर गतिविधियों के तहत बेंगलूरु के इंदिरा नगर में डिफेंस कॉलोनी पार्क का पुनर्विकास किया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर विधायक रघु ने सत्वा ग्रुप के प्रबंध निदेशक विजय अग्रवाल और नीरू अग्रवाल के साथ पार्क का उद्घाटन किया। पुनर्विकास संबंधी कार्य में पार्क के इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत करने और आस-पास के लोगों के लिए एक साझा जगह के तौर पर इसकी भूमिका को बनाए रखने पर खास ध्यान दिया गया। इसमें बेहतर ड्रेनेज सिस्टम, रेलिंग और पैदल रास्ते शामिल थे। साथ ही, पार्क को ज़्यादा आरामदेह और सुलभ बनाने के लिए बेहतर लैंडस्केपिंग भी की गई।

एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(अंतरिक्ष विभाग के अंतर्गत भारत सरकार की कंपनी)
अंतरिक्ष भवन परिसर, न्यू बी.ई.एल रोड, बेंगलूरु - 560094

एंट्रिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारत सरकार के पात्र उपक्रमों/एजेंसियों से सम्पूर्ण भर्ती सेवाएं प्रदान करने हेतु रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है। इच्छुक एजेंसियों के पास सरकारी विभागों, केंद्र/राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्वायत्त निकायों, वैधानिक निकायों तथा अन्य सरकारी संगठनों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने का सिद्ध अनुभव होना चाहिए। विस्तृत ईओआई दस्तावेज एसीएल की वेबसाइट www.antrix.co.in पर उपलब्ध है। इच्छुक एजेंसियां निर्धारित प्रारूप में नियत समय सीमा के भीतर अपनी रुचि की अभिव्यक्ति प्रस्तुत कर सकती हैं।

CBC 49118/11/0001/2627

स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए विशेष सतर्कता बरतें : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बारिश के दौरान मौसमी बीमारियों डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया एवं स्क्रबटाईफस के साथ ही स्वाइन फ्लू आदि से बचाव एवं रोकथाम गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हाई रिस्क क्षेत्र में टीम बनाकर नियमित रूप से निगरानी की जाए। उन्होंने सभी संयुक्त निदेशकों एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सा मंत्री ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में मौसमी बीमारियों, चिकित्सा संस्थानों में एक्विपमेंट्स, जांच एवं दवाईयों की उपलब्धता सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विस्तार से समीक्षा की। साथ ही उन्होंने सभी संयुक्त निदेशकों से संभागवार चर्चा कर फीडबैक भी लिया। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू से बचाव एवं रोकथाम गतिविधियों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने स्वाइन फ्लू पर नियंत्रण के लिए सघन मॉनिटरिंग करने एवं उपचार तथा जांच सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष बल दिया।

खींवसर ने कहा कि प्रदेशभर में संचालित होने वाली फर्स्ट रैफरल यूनिट्स एवं ट्रोमा सेंटर्स में आवश्यक तीन चिकित्सकों यानी ट्रायो पूर्ण होना चाहिए। साथ ही प्रत्येक चिकित्सा संस्थान में आवश्यक जांच एवं दवाइयों की उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि अधिकांश उच्च चिकित्सा संस्थानों में सीटी-एमआरआई जांच सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। जिन संस्थानों में सीटी-एमआरआई जांच सेवाएं उपलब्ध नहीं है, वहां पीपीपी मोड पर शुरु किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संस्थानों में मरीज भार को देखते हुए चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ को नियोजित किया जाए।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्थिति में एक पद पर एक से अधिक लोग नहीं रहें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा संस्थानों जहां निर्धारित प्रावधानों के अनुसार मानव संसाधन नियोजित नहीं है। इसकी रिपोर्ट संयुक्त निदेशक आगामी 3 दिन में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने हब एण्ड स्पॉक मॉडल के माध्यम से जिलों में उपलब्ध करवाई जा रही जांच सेवाओं के बारे में भी फीडबैक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जैसलमेर जिले में आयोजित किए जाने वाले रामदेवरा मेले के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की मांग अनुरूप स्टॉफ एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निर्देश दिए हैं।

बैठक में संबंधित नोडल अधिकारियों द्वारा रेफरल प्रबंधन हेतु सेतु एप के उपयोग, टीबी मुक्त भारत अभियान, एचपीवी टीकाकरण, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, पीसीटीएस प्रसव वॉच कार्यक्रम एवं आयुष्मान भारत डिजिटल हैल्थ मिशन विषयों पर समीक्षात्मक प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया। बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ टी. शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. नरोत्तम शर्मा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

युवाओं को नहीं मिल रहा बेरोजगारी भत्ता : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य सरकार बेरोजगारी भत्ता योजना को भी अन्य योजनाओं की तरह अनौपचारिक रूप से बंद करने की राह पर है। गहलोत ने दावा किया कि राज्य के करीब दो लाख बेरोजगार युवा सात महीने से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत मिलने वाले 4,000 रुपये के भत्ते का इंतजार कर रहे हैं। गहलोत ने एक बयान में कहा, राजस्थान के अलग-अलग जिलों से आ रही इन खबरों से स्पष्ट है कि भाजपा सरकार बेरोजगारी भत्ता योजना को भी बाकी योजनाओं की तरह अनौपचारिक रूप से बंद करने के रास्ते पर है।

उन्होंने दावा किया कि चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद गारंटी दी थी कि कांग्रेस सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं बंद नहीं होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, आज वही 'मोदी की गारंटी' दम तोड़ती नजर आ रही है। योजनाओं को औपचारिक रूप से बंद करने की हिम्मत नहीं है इसलिए भुगतान रोककर चुपचाप खत्म किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, यह लापरवाही नहीं, बेरोजगार युवाओं के साथ खुला विश्वासघात है। गहलोत ने कहा, जो सरकार खुद प्रधानमंत्री की दी गई गारंटी तक नहीं निभा सकती, वह बेरोजगार हितैषी होने के दावे किस मुंह से करती है? उन्होंने राज्य सरकार से सभी बकाया भत्ते तत्काल जारी करने और आगे समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

राज्यपाल ने टीबी, नशे की रोकथाम और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को दौसा में अधिकारियों की बैठक में जिले में क्षय रोग (टीबी) की स्थिति, मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए की जा रही कार्रवाई और शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को टीबी मरीजों को समय पर पूरा उपचार उपलब्ध कराने, 'नशा मुक्त दौसा' के लिए मादक पदार्थों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने जिले में टीबी मरीजों की संख्या, उनकी औसत आयु और उपचार की स्थिति सहित विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली।उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त जिले का लक्ष्य रखते हुए प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। बागड़े ने गंभीर मरीजों को आवश्यकता के अनुसार अस्पताल में भर्ती कर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। राज्यपाल ने 'नशा मुक्त दौसा' बनाने पर जोर देते हुए कहा कि नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही युवाओं में नशे के प्रति नकारात्मक भावना विकसित की जानी चाहिए।

उन्होंने मादक पदार्थों के स्रोतों की पहचान कर उन्हें बंद कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने और पुलिस को मादक पदार्थों के स्रोत तक पहुंचने के निर्देश दिए। बयान के अनुसार, राज्यपाल ने जिले में शिक्षा की स्थिति की भी समीक्षा की।

इस दौरान विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, शिक्षकों की उपलब्धता और विषयवार शिक्षकों की स्थिति सहित विभिन्न मानकों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन को बेहतर बनाने और उसे आगे बढ़ाने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है।

बागड़े ने कहा कि जितने अधिक नागरिक शिक्षित होंगे, उतना ही देश मजबूत होगा। राज्यपाल ने शिक्षकों से 'मैं शिक्षक हूं' की भावना को हमेशा मन में रखते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, पढ़ाई बीच में न छोड़े और स्कूल छोड़ने की स्थिति उत्पन्न न हो।

अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता ने काले हनुमान मंदिर में की पूजा

जयपुर। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने मंगलवार सुबह जयपुर के प्रसिद्ध काले हनुमान मंदिर में दर्शन कर पूजा की और आरती में शामिल हुईं। मंदिर के पुजारी ने आहूजा की कलाई पर काला रक्षा सूत्र बांधा। उन्होंने अपने परिवार की शांति, सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। काले हनुमानजी मंदिर जाने से पहले आहूजा ने सोमवार को प्रसिद्ध खाटू श्यामजी मंदिर में भी दर्शन कर पूजा की थी। जयपुर के परकोटा क्षेत्र में चांदी की टकसाल इलाके में स्थित काले हनुमान मंदिर शहर के प्राचीन मंदिरों में से एक है। अधिकांश हनुमान मंदिरों में भगवान की प्रतिमा नारंगी रंग या सिंदूर से सजी होती है, जबकि इस मंदिर में हनुमानजी की प्रतिमा काले पत्थर से बनी हुई है। श्रद्धालुओं के बीच मान्यता है कि मंदिर में विराजमान भगवान हनुमान का यह स्वरूप अत्यंत शक्तिशाली और रक्षा करने वाला है तथा बुरी नजर एवं नकारात्मक प्रभावों से भक्तों की रक्षा करता है।

जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पूरी तरह त्रुटिपूर्ण : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया को पूरी तरह त्रुटिपूर्ण बताते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि यह कोई संयोग नहीं बल्कि केंद्र सरकार की सोची-समझी रणनीति लगती है। गहलोत ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा, जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पूरी तरह त्रुटिपूर्ण है। यह कोई संयोग नहीं बल्कि केंद्र सरकार की सोची-समझी रणनीति लगती है, ताकि जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य ही खत्म हो जाए और सही आंकड़े कभी सामने न आएं।

उन्होंने कहा कि जब जातिगत जनगणना की घोषणा की गई थी, तब सभी ने इसका स्वागत किया था लेकिन अब जिस तरह भ्रम की स्थिति बनाई जा रही है, उससे लगता है कि मोदी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। गहलोत ने कहा कि सरकार ने मुक्त प्रश्न का तरीका चुना है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपनी जाति का जो नाम बताएगा, वही दर्ज किया जाएगा।

पूर्व मुख्यमंत्री के अनुसार, भारत में एक ही जाति अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग नामों, उपजातियों और भाषाओं से जानी जाती है। नतीजा यह होगा कि एक जाति हजारों नामों में बंट जाएगी और पूरा आंकड़ा ही अनुपयोगी हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि इस प्रक्रिया में पिछड़ा वर्ग शब्द शामिल नहीं है।

गहलोत ने कहा, सबसे गंभीर बात यह है कि इस जनगणना में 'पिछड़ा वर्ग' शब्द तक शामिल नहीं है यानी पिछड़ा वर्ग की सही आबादी का पता ही नहीं चलेगा।

गहलोत ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को इस संबंध में प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि जातियों की एक सूची पहले से तैयार की जाए, ठीक वैसे ही जैसे तेलंगाना में 2024 और बिहार में 2022 के जाति सर्वेक्षणों में किया गया था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार को इस त्रुटिपूर्ण प्रक्रिया को तुरंत रद्द कर राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से विचार-विमर्श के बाद नई प्रश्नावली तैयार करनी चाहिए ताकि जाति जनगणना सटीक, सार्थक और लाभकारी साबित हो।

डीपीआर अनुमोदन की राह आसान, एसपीवी का जल्द होगा गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के लिए महत्वाकांक्षी यमुना जल परियोजना के क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। परियोजना की डीपीआर के लिए आवश्यक हाइड्रोलॉजी एवं अंतरराज्यीय स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में यमुना जल परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राजस्थान के लिए बड़ी उपलब्धि और प्रदेश के जल संसाधन विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे परियोजना के विभिन्न निर्माण कार्यों को गति मिलने के साथ ही राजस्थान में यमुना जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार के प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। बैठक में बताया गया कि 21 अगस्त, 2026 को नई दिल्ली स्थित केन्द्रीय जल आयोग में यमुना जल परियोजना की डीपीआर की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने परियोजना के कंसल्टेंट नेबकॉन के विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों को निरंतर समन्वय कर डीपीआर के अनुमोदन की प्रक्रिया को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार ने बताया कि परियोजना के लिए हॉसियावास (चूरू) में प्रस्तावित तीन जलाशयों में से धनोटी जलाशय की निविदा जारी की जा चुकी है तथा इसकी तकनीकी निविदा 27 अगस्त को खोली जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रक्रिया को निर्धारित समय में पूरा करने एवं 29 जून, 2026 को हुए एमओए के अनुसार एसपीवी के गठन के लिए प्रस्ताव शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कबड्डी अनुशासन, टीम भावना और शारीरिक मजबूती का प्रतीक : बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को दौसा जिला स्थित महवा स्थित द बोहराज ग्लोबल स्कूल में आयोजित सीबीएसई कबड्डी गर्ल्स स्टेट क्लस्टर टूर्नामेंट में शामिल हुए। उन्होंने कबड्डी खिलाड़ियों एवं रेफरी से परिचय प्राप्त किया तथा टॉस करवाकर मैच का आनंद लिया। राज्यपाल ने कहा कि कबड्डी देश का पारंपरिक खेल है, जो प्राचीन समय में गुरुकुलों में भी खेला जाता था। यह खेल अनुशासन, टीम भावना, साहस और शारीरिक क्षमता का प्रतीक है। खेलों से शरीर को मजबूती एवं ऊर्जा मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि शारीरिक क्षमता के साथ-साथ अपनी बौद्धिक क्षमता का भी विकास करें तथा अध्ययन के माध्यम से निरंतर ज्ञान अर्जित करें।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में शिक्षकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले विषयों को पूरे मनोयोग और एकाग्रता से सुनें तथा उनमें रुचि विकसित करें। उन्होंने विद्यार्थियों से टेक्स्ट बुक तक सीमित न रहकर साहित्य एवं अन्य उपयोगी पुस्तकों का अध्ययन करने और नियमित अभ्यास के माध्यम से अपनी प्रतिभा को निखारने का आह्वान किया। राज्यपाल ने शिक्षकों से कहा कि वे स्वयं भी निरंतर ज्ञान अर्जित करते रहें और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें। शिक्षक ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का निर्माण करें, जिनमें शैक्षणिक ज्ञान के साथ शारीरिक क्षमता, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच का भी विकास हो।

उन्होंने कहा कि आज बालिकाएं शिक्षा और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

पूर्वी राजस्थान में बारिश का दौर जारी, टोंक के अलीगढ़ में 11 सेमी बारिश दर्ज

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हुई, जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम अधिकांशतः शुष्क रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, टोंक जिले के अलीगढ़ में सर्वाधिक 11 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई। दौसा के लालसोट में नौ सेंटीमीटर बारिश हुई। अलवर के गोविंदगढ़, किशनगढ़ बास और मालाखेड़ा में आठ-आठ सेंटीमीटर तथा सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा, बूंदी के नैनवां और पाटन एवं झालावाड़ के पचपहाड़ में सात-सात सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

मंगलवार सुबह से अलवर, जयपुर, चित्तौड़गढ़, कोटा, दौसा और टोंक के कुछ इलाकों में रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रहा। जयपुर में लगातार दूसरे दिन बारिश होने से तापमान में गिरावट आई। वहीं, अलवर में तेज बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई।

रक्षाबंधन पर भाई-बहन के नाम एक पेड़ लगाएं आमजन : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के तहत इस वर्ष भी 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएं। उन्होंने विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि समन्वय के साथ पौधे लगाएं एवं उनकी उचित देखभाल भी की जाए। साथ ही, उन्होंने लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान की समीक्षा की। इस दौरान बताया गया कि अब तक 7 करोड़ 58 लाख से अधिक पौधारोपण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को भी त्योहारों के अवसर पर पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने आमजन से रक्षाबंधन के अवसर पर एक पेड़ भाई-बहन के नाम पर लगाने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर पौधारोपण करने वाले भाई-बहनों को सम्मानित भी किया जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भ्रूण को नीले रंग में दिखाने वाले विज्ञापन पर कार्रवाई, नीलकंठ फर्टिलिटी के 9 केंद्रों का पंजीकरण निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं में निर्धारित मानकों एवं कानूनी प्रावधानों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में राजस्थान में असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) एवं सरोगेसी सेवाओं के नियमन में प्रथम दृष्टया उल्लंघन सामने आने पर नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। इसके अधीन संचालित एआरटी क्लिनिक, एआरटी बैंक एवं सरोगेसी क्लिनिक के कुल 9 पंजीकरण प्रमाण-पत्रों को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती गायत्री राठौड ने बताया कि यह कार्रवाई एआरटी (रेग्युलेशन) एक्ट, 2021 के प्रावधानों के उल्लंघन पर की गई है। उन्होंने बताया कि राज्य के एक अंग्रेजी समाचार पत्र के जयपुर संस्करण में प्रकाशित आईवीएफ, फर्टिलिटी एवं टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर के विज्ञापन में भ्रूण को नीले रंग में प्रदर्शित किया गया था। यह नीला रंग मेल बच्चे से संबंधित माना जाता है। अतः विभाग द्वारा प्रथम दृष्टया लिंग चयन से संबंधित सेवा के प्रचार का संकेत मानते हुए नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड संस्थान के विरुद्ध कार्यवाही की गई। अधिनियम के तहत किसी भी प्रकार के सेक्स सिलेक्शन (लिंग चयन) एवं सेक्स सेलेक्टिव एआरटी प्रक्रियाओं पर पूर्ण रूप से वैधानिक प्रतिबंध लागू है।

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वूमेन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के जयपुर में 3 तथा भीलवाड़ा, उदयपुर, कोटा, जोधपुर और अजमेर में एक-एक सहित कुल 9 एआरटी/सेरोगेसी सेन्टर्स के पंजीकरण निलम्बित किए गए हैं, जिनमें एआरटी क्लिनिक लेवल-1 भीलवाड़ा, कोटा, उदयपुर, अजमेर, जोधपुर के एक-एक एआरटी क्लिनिक लेवल-2 तथा जयपुर के दो एआरटी क्लिनिक लेवल-2 एवं जयपुर के सेरोगेसी क्लिनिक व एआरटी बैंक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में एआरटी एवं सेरोगेसी सेवाओं का संचालन निर्धारित कानून, नियमों और नैतिक मानकों के अनुरूप होना आवश्यक है। लिंग चयन जैसे प्रतिबंधित कार्यों के प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष प्रचार-प्रसार को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। राज्य सरकार का उद्देश्य मरीजों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ एआरटी एवं सेरोगेसी से जुड़े सभी संस्थानों में वैधानिक प्रावधानों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करना है।

डूंगरपुर के स्कूल में जर्जर कमरे की छत का हिस्सा गिरा

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के डूंगरपुर जिले के एक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को जर्जर कमरे की छत का

एक हिस्सा गिर गया। हालांकि, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि सुरक्षा के मद्देनजर इस कमरे को करीब एक साल से बंद रखा गया था। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि हादसे के समय विद्यार्थी विद्यालय के दूसरे कमरों में पढ़ाई कर रहे थे। छत गिरने की तेज आवाज सुनकर विद्यार्थियों और शिक्षकों में अफरा-तफरी मच गई और वे तुरंत कक्षाओं से बाहर आ गए। अधिकारी के मुताबिक, विद्यालय के दो कमरों को पहले ही असुरक्षित घोषित किया जा चुका था और एहतियात के तौर पर उनमें कक्षाएं नहीं लगाई जा रही थीं। विद्यालय में कुल 10 कमरे हैं, जिनमें से दो जर्जर अवस्था में हैं। इनमें से एक की छत का हिस्सा सोमवार को गिर गया, जबकि दूसरा कमरा भी खराब स्थिति में है।

मथुरा में 500 ड्रोन श्रीकृष्ण के जन्म और लीलाओं से जुड़े दृश्य एवं आकृतियां बनाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में इस बार जन्माष्टमी पर 500 ड्रोन एक साथ भगवान श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी लीलाओं से जुड़े दृश्य एवं आकृतियां बनाएंगे। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने श्रद्धालुओं के लिए पहली बार इस तरह का आयोजन करने का निर्णय लिया है। परिषद की पदेन मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि चार सितंबर की रात नौ से 10 बजे के बीच करीब 15 मिनट का ड्रोन शो आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि 500 ड्रोन एक साथ उड़कर श्रीकृष्ण के जन्म और उनकी लीलाओं से जुड़े दृश्य एवं आकृतियां बनाएंगे।

अधिकारी ने बताया कि यह शो करीब तीन से चार किलोमीटर की दूरी तक दिखाई देगा।

उन्होंने बताया कि अयोध्या, वाराणसी और सोमनाथ की तर्ज पर मथुरा में पहली बार इस तरह का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या, प्रयागराज और वाराणसी में भी पहले ड्रोन शो आयोजित किए जा चुके हैं।

प्राचीन मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि में कंस के कारागार में हुआ था। जन्माष्टमी पर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित करने के लिए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के आसपास 125 से अधिक स्थानों पर अवरोधक लगाए जाएंगे और वाहनों के लिए करीब दो दर्जन पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। श्रद्धालुओं को मंदिर तक पैदल जाना होगा। अधिकारियों ने बताया कि 16 स्थानों पर वॉच टावर लगाए जाएंगे और ड्रोन कैमरों से भी निगरानी रखी जाएगी।

पूर्वांचल के जिलों में हुई भारी बारिश, अगले 24 घंटे के दौरान भी वर्षा का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर मंगलवार को भारी बारिश हुई। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से राज्य के विभिन्न इलाकों में व्यापक वर्षा होने के बावजूद प्रदेश में अब तक बारिश का आंकड़ा सामान्य से 13 प्रतिशत कम है।

लखनऊ स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटे में मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक आजमगढ़ में सबसे अधिक 180 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश के 29 जिलों में सामान्य बारिश हुई जबकि 27 जिलों में बारिश सामान्य से कम रही।

मौसम विभाग ने बताया कि झारखंड के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र उत्तर प्रदेश में मानसून की गतिविधियों को प्रभावित कर रहा है और इसके प्रभाव से कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान पूरे प्रदेश में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने मंगलवार को 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाओं को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की सभी बसों में आजीवन मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने संवाददाताओं को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में 'लोकमाता अहिल्याबाई मातृशक्ति योजना' को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की महिलाएं उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सभी बसों में जीवनभर मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। सिंह ने कहा कि इस फैसले से एक करोड़ से अधिक महिलाओं को लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाएं आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र दिखाकर रोडवेज की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी।

गोलगप्पे और सब्जी बेचने वाले राहुल गांधी से कहीं ज्यादा समझदार : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) की सफलता की कहानी का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि गोलगप्पे और सब्जी बेचने वाले लोग भी पार्टी नेता राहुल गांधी से कहीं ज्यादा समझदार हैं। भाजपा ने यह भी कहा कि कांग्रेस नेता पी चिंदमबरम ने यूपीआई की शुरुआत का मजाक उड़ाया था, जबकि बीते एक दशक में यह दुनिया की सबसे बड़ी रियल-टाइम भुगतान प्रणाली बनकर उभरा है। यूपीआई की शुरुआत 25 अगस्त 2016 को की गई थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चिदंबरम ने यूपीआई को एक बड़ी गलती बताया था और दावा किया था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ेगा। पात्रा संसद में चर्चा के दौरान पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम की ओर से यूपीआई के बारे में की गई उस टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि सड़क किनारे सामान बेचने वाले और ग्रामीण इलाकों में रहने वाले गरीब लोग डिजिटल भुगतान प्रणाली का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, चिदंबरम जी, आपके क्षेत्र में, मेरे क्षेत्र में और देश के हर हिस्से में सब्जी बेचने वाली 'अम्मा' भी राहुल गांधी से कहीं ज्यादा समझदार है।

उन्होंने कहा, चिदंबरम ने गोलगप्पे बेचने वालों का मजाक उड़ाया था। आज गोलगप्पे की दुकानों पर भी पेटीएम से भुगतान की सुविधा मौजूद है। गोलगप्पा बेचने वाले भी राहुल गांधी से कहीं ज्यादा समझदार है। राहुल गांधी को उनसे सीखना चाहिए। पात्रा ने कहा, सब्जी बेचने वाले की समझ को कमतर करके मत आंकिए। छोटे-मोटे काम करने वाले की समझ को भी कमतर करके मत आंकिए। लोग गांधी परिवार और उसके वंशजों से कहीं ज्यादा समझदार हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी चिदंबरम की टिप्पणी से जुड़ा वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट किया और लिखा, उन्हें गलत साबित करने के 10 साल पूरे हुए।

वहीं, कांग्रेस ने पलटवार करते हुए दावा किया कि आज भारत का डिजिटल भुगतान ढांचा जिस बुनियाद पर खड़ा है, उसकी आधारशिला पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने ही रखी थी। कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा ने कहा, और सबसे जरूरी बात, आइए उन छोटी सोच वाले और श्रेय लेने के भूखे लोगों को नजरअंदाज करें, जो काम तो बहुत कम करते हैं, लेकिन बातें बहुत ज्यादा करते हैं- भले ही वे टेलीप्रॉम्प्टर' की मदद से ऐसा करते हों। पात्रा ने यूपीआई की सफलता की कहानी बयां करते हुए कहा कि शुरुआत में यूपीआई के जरिये 1.78 करोड़ लेन-देन हुए थे, जिनका कुल मूल्य 0.07 लाख करोड़ था। यूपीआई की वृद्धि की सराहना करते हुए पात्रा ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तंज कसा। इसके लिए उन्होंने अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म 'सिलसिला' के एक मशहूर गाने की कुछ पंक्तियों का इस्तेमाल किया। पात्रा ने कहा, ये कहां आ गए हम यूं ही साथ चलते-चलते! सिलसिला! वो गाना याद आ रहा है। कौन साथ चल रहा है? जनता और मोदी जी; जनता और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार। उन्होंने कहा, दूसरी ओर, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) है। वे कहते हैं : तुम होते तो ऐसा होता, तुम होते तो वैसा होता।'

संभल के जामा मस्जिद क्षेत्र में 36 निर्माणों को नोटिस, नक्शा पास न कराने का आरोप

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिला प्रशासन ने शाही जामा मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में भवन निर्माण नियमों का कथित तौर पर उल्लंघन करने और बिना नक्शा स्वीकृत कराए निर्माण करने के मामले में 36 निर्माण कार्यों के मालिकों को नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, चंदौसी चौराहे से चौधरी सराय तक के विनियमित क्षेत्र में संभल महायोजना-2031 के तहत यह कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि इसमें शाही जामा मस्जिद के पीछे का क्षेत्र और टंडन चौराहे की ओर का हिस्सा भी शामिल है। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) विकास चंद्र ने बताया कि विनियमित क्षेत्र में प्रवर्तन की कार्रवाई लगातार जारी है। उन्होंने पत्रकारों को बताया, संभल महायोजना-2031 के तहत हमने 36 ऐसे मामले चिह्नित किए हैं, जहां नक्शा स्वीकृत नहीं कराया गया था। आज (मंगलवार को) सभी को नोटिस दिया गया है। चंद्र ने बताया कि इससे पहले क्षेत्र का दो बार निरीक्षण किया गया था, जिसमें एक संयुक्त निरीक्षण भी शामिल था।

नैसकॉम ने एच-1बी वीजा पर अतिरिक्त शुल्क के प्रस्ताव पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग के निकाय नैसकॉम ने अमेरिकी एच-1बी वीजा पर 1,03,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने के प्रस्ताव पर मंगलवार को कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों ने पहले ही ऐसे वीजा पर अपनी निर्भरता काफी कम कर दी है। नैसकॉम ने बयान में कहा कि भारतीय कंपनियों ने पिछले पांच वर्षों में अमेरिका में स्थानीय स्तर पर नियुक्तियां लगातार बढ़ाई हैं। आईटी कंपनियों के संगठन ने कहा, एच-1बी वीजा कार्यक्रम ने लंबे समय से अमेरिका में अल्पकालिक कौशल की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पिछले पांच वर्षों में भारतीय प्रौद्योगिकी कंपनियों में एच-1बी कर्मचारियों की संख्या में काफी कमी आई है, क्योंकि कंपनियों ने स्थानीय स्तर पर नियुक्तियां लगातार बढ़ाई हैं।

नैसकॉम ने कहा कि वीजा शुल्क में प्रस्तावित बढ़ोतरी को अमेरिका में कुशल लोगों की कमी को पूरा करने के लिए बनाए गए एच-1बी कार्यक्रम के मूल उद्देश्य को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। संगठन ने यह भी कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में प्रतिभाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए 1.1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इसके तहत 130 से अधिक विश्वविद्यालय और कॉलेज के साथ साझेदारी की गई है, जिससे 29 लाख छात्रों को लाभ मिला है और 2,55,000 से अधिक कर्मचारियों का कौशल उन्नयन हुआ है। अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग ने सोमवार को एच-1बी वीजा की निर्धारित सीमा के तहत आने वाले सभी आवेदनों पर 1,03,265 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा। इसमें उच्च डिग्री छूट के लिए पात्र आवेदक भी शामिल हैं। अमेरिकी कांग्रेस ने फिलहाल एच-1बी वीजा कार्यक्रम के तहत सामान्य श्रेणी में सालाना 65,000 वीजा की सीमा तय की है। इसके अलावा अमेरिकी संस्थान से मास्टर डिग्री या उससे ऊपर की डिग्री हासिल करने वाले विदेशी कर्मचारियों के लिए 20,000 अतिरिक्त वीजा उपलब्ध हैं।

झारखंड में प्रदर्शन के दौरान एक कार्यकर्ता के साथ छेड़छाड़ को लेकर 38 लोगों पर मामला दर्ज

रांची/भाषा। रांची में 21 अगस्त को विरोध प्रदर्शन के दौरान 'जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच' की एक सदस्य के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने को लेकर 38 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस महिला ने झारखंड विधानसभा में विपक्ष के नेता (भाजपा) बाबूलाल मरांडी के साथ यहां कोतवाली थाने में जाकर शिकायत करायी जिसके बाद सोमवार को यह मामला दर्ज किया गया। कोतवाली थाने के प्रभारी सनोज चौधरी ने पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्राथमिकी में आठ नामजद लोगों के साथ-साथ 30 अज्ञात लोगों का भी उल्लेख है। उन पर छेड़छाड़ और बीएनएस की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।'' यह घटना भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर निकाले गए एक जुलूस के दौरान अल्बर्ट एक्का चौक के पास हुई।

पीड़िता ने कहा, ''हमने शांतिपूर्ण जुलूस निकाला तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पुतले जलाने की कोशिश कर रहे थे। तभी करीब आठ ज्ञात और 30 से ज़्यादा अज्ञात लोगों ने मुझ पर हमला किया तथा मेरे साथ छेड़छाड़ की।'' मरांडी ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज़ उठा रहे विद्यार्थियों पर (सत्तारूढ) झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के 'गुंडों' का कायरतापूर्ण हमला बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा, ''भाजपा विद्यार्थियों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर स्तर पर उनके संघर्ष का समर्थन करेगी।'' इस बीच, मरांडी अन्य भाजपा नेताओं के साथ रांची सदर के क्षेत्राधिकारी-सह-मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंचे और झामुमो के गुंडों' के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की।

श्री बांकेबिहारी मंदिर में दान राशि के 'गबन' पर न्यायालय ने कहा, चढ़ावे में हेराफेरी नहीं होने देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वृंदावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में कथित तौर पर चढ़ावे में गबन के मामले में उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिया कि एक-एक पैसा दान पेटियों में या मंदिर के ऑनलाइन कोष में जमा होना चाहिए। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह की दलीलों पर गौर किया, जिन्होंने मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चस्तरीय समिति की स्थिति रिपोर्ट पेश की। सिंह ने तस्वीरें अदालत के सामने रखते हुए कहा कि बहुत गंभीर समस्याएं हैं और इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेवायतों के भंडारी श्रद्धालुओं से सीधे तौर पर चढ़ावा ले रहे हैं।

उन्होंने कहा, एक वीडियो है। तीन लोग पारंपरिक दान पेटी के सामने खड़े हैं और श्रद्धालुओं से पैसे लेकर उन्हें अपनी पॉलीथिन की थैलियों में डाल रहे हैं। समिति की ओर से सौंपी गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि ऑनलाइन दान के लिए लगाए गए क्यूआर कोड को खराब कर दिया गया या पूरी तरह ढक दिया गया जिसकी वजह से श्रद्धालु उन्हें देख या इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। सिंह ने कहा कि समिति पर धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया जा रहा है, जबकि कथित तौर पर चढ़ावे को मंदिर के कोष तक पहुंचने से पहले ही दूसरी जगह भेज दिया जा रहा था। न्यायमूर्ति बागची ने मौखिक रूप से कहा कि किसी पुजारी का श्रद्धालुओं के दान पर कोई अधिकार नहीं हो सकता। इस दलील पर कड़ा रुख अपनाते हुए पीठ ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। हम निर्देश देते हैं कि दान का एक-एक पैसा मंदिर की दान पेटियों में या ऑनलाइन कोष में जमा होना चाहिए। सेवायत' या कोई और इसमें कोई बाधा पैदा करते हैं तो इसे बहुत गंभीरता से लिया जाएगा। प्रबंधन समिति मंदिर के खजाने के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू करे। पीठ ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर प्रबंधन समिति की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सेवायतों (पुजारियों) की ओर से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने प्रबंधन समिति द्वारा मंदिर के धन का इस्तेमाल करके कथित तौर पर संपत्तियां खरीदने को लेकर चिंता जताई। उच्चतम न्यायालय ने मामले से जुड़े पक्षों को समिति द्वारा दाखिल स्थिति रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं और आपत्तियां दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया।

इससे पहले उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को मंदिर के लिए एक व्यापक विकास योजना तैयार करने का निर्देश दिया था, जिनमें सड़कों को चौड़ा करना और बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों तथा बीमार श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं शामिल थीं। मामला उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर ट्रस्ट अध्यादेश, 2025 को लेकर जारी कानूनी लड़ाई के लिहाज से महत्वपूर्ण है। इस अध्यादेश में मौजूदा प्रबंधन व्यवस्था की जगह सरकार के नियंत्रण वाला ट्रस्ट गठित करने का प्रस्ताव था।

सांसद पप्पू यादव के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई शुरू, दो गवाहों के बयान दर्ज

प्रयागराज/भाषा। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के खिलाफ प्रयागराज की एक अदालत में मंगलवार को मुकदमे की सुनवाई शुरू हो गयी और वादी की ओर से पेश दो गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पप्पू यादव के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दायर करने वाले अधिवक्ता एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधि विभाग के प्रदेश सह-संयोजक सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि मंगलवार को दो गवाहों के बयान दर्ज किए गए।

मिश्रा के अधिवक्ता अंबिकेश्वर मिश्रा के मुताबिक, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पप्पू यादव को 11 अगस्त को अदालत में पेश होने का आदेश दिया था लेकिन वह तय तारीख पर हाजिर नहीं हुए। उन्होंने बताया कि तीन सितंबर को अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे, जिसके बाद अदालत निर्णय सुना सकती है। इससे पहले, 4 अगस्त को वादी सुशील कुमार मिश्रा की ओर से दाखिल शिकायत पर अदालत ने संसद भवन परिसर में पप्पू यादव द्वारा साधु-संतों की वेशभूषा में कथित तौर पर चंदा चोरी का नाटक किए जाने के मामले का संज्ञान लिया था।

महिलाओं को हिजाब, घूंघट या कोई भी परिधान चुनने का पूरा अधिकार : खेड़ा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने मंगलवार को कहा कि हर महिला अपनी पसंद के कपड़े पहनने के लिए स्वतंत्र है और उसे हिजाब, घूंघट या कोई अन्य परिधान चुनने का पूरा अधिकार है।

खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सामाजिक-राजनीतिक दृष्टिकोण से कांग्रेस महिलाओं के निर्णय लेने के अधिकार के लिए मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा, हिजाब इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा है या नहीं, यह धार्मिक विद्वानों को तय करना है। खेड़ा ने कहा कि हर महिला को, चाहे वह किसी भी जाति, वर्ग या धर्म से हो, अपनी पसंद के अनुसार पहनावा चुनने का अधिकार है। उनका यह बयान राहुल गांधी द्वारा पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान महिलाओं से बंदिशें तोड़ने का आह्वान किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। राहुल गांधी ने बीते शनिवार को कहा था कि महिलाओं का अपना अस्तित्व है और उनकी पहचान को उनके पिता, पति या बेटों के अधीन नहीं रखा जाना चाहिए।

खरगे, राहुल ने कहा : जनगणना का मौजूदा स्वरूप अस्वीकार, प्रश्नावली रद्द की जाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

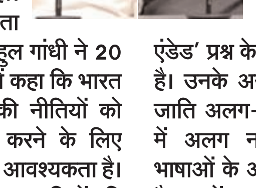

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जनगणना की प्रश्नावली पर आपत्ति जताई है और आग्रह किया कि इस प्रश्नावली को रद्द कर राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और जनता से व्यापक चर्चा के बाद नई प्रश्नावली तैयार की जाए।

कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं का कहना है कि जनगणना का वर्तमान स्वरूप स्वीकार नहीं है तथा जातियों और समुदायों की सही संख्या तथा उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन तभी संभव है, जब जाति की पहचान दर्ज करने की प्रक्रिया स्पष्ट हो। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे और राहुल गांधी ने 20 अगस्त को लिखे पत्र में कहा कि भारत में सामाजिक न्याय की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विश्वसनीय आंकड़ों की आवश्यकता है। उनके अनुसार, विभिन्न जातियों की वास्तविक आबादी और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति का सही आकलन नहीं होने पर शिक्षा, रोजगार, सरकारी योजनाओं और आरक्षण सहित सामाजिक न्याय से जुड़े फैसलों पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। कांग्रेस नेताओं ने जाति की जानकारी दर्ज करने के लिए अपनाए गए 'ओपन-एंडेड' प्रश्न के तरीके पर सवाल उठाया है। उनके अनुसार, भारत में एक ही जाति अलग-अलग राज्यों और क्षेत्रों में अलग नामों, उपजातियों तथा भाषाओं के आधार पर पहचानी जाती है। पत्र में कहा गया है, ऐसे में यदि एक ही जाति के लोग जनगणना में अलग-अलग नामों से दर्ज होंगे, तो एक जाति हजारों नामों में बंट जाएगी। देश में लाखों जातियों के नाम निकलेंगे, और जाति जनगणना से हासिल पूरा आंकड़ा ही अनुपयोगी हो जाएगा। खरगे और राहुल गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि मौजूदा व्यवस्था से देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल आबादी का सही आंकड़ा कैसे सामने आएगा, क्योंकि प्रश्नावली में 'पिछड़ा वर्ग' शब्द को ही शामिल नहीं किया गया है। कांग्रेस नेताओं ने जातियों की पहले से तैयार 'ड्रॉप-डाउन' सूची का सुझाव दिया है, जिसके तहत जनगणना के फॉर्म या डिजिटल ऐप में जातियों के आधिकारिक नाम पहले से उपलब्ध हों और गणनाकर्ता संबंधित व्यक्ति द्वारा बताए गए विवरण के आधार पर सूची में से उपयुक्त जाति का चयन कर सके।

सुविचार

संतोष सबसे बड़ा सुख है। जो है उसका आभार मानें, और बेहतर के लिए प्रयास करें। कृतज्ञ बने रहें, मन प्रसन्न रहेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

युवाओं में बढ़ती उद्देश्यहीनता

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट का यह निष्कर्ष युवाओं में बढ़ती उद्देश्यहीनता को जाहिर करता है कि 'देश में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं।' जब जीवन में न कोई दिशा होती है और न कोई प्रेरणा होती है तो यही स्थिति पैदा होती है। इससे कई सामाजिक समस्याओं का जन्म होता है, लिहाजा सरकारों को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। देश में कई युवा ऐसे हैं, जो कोई कामकाज नहीं करते, सिर्फ मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहते हैं। जब परिजन उन्हें कोई अच्छी राय देते हैं तो वे झगड़ा करने को दौड़ते हैं। ऐसी स्थिति एक दिन में पैदा नहीं होती है। प्राय: ऐसे लोगों के जीवन के सामने किशोरावस्था से ही कोई लक्ष्य नहीं होता है। हमारी शिक्षा पद्धति भी उनकी प्रतिभा को पहचानने में ज्यादा कारगर नहीं है। ईश्वर हर इन्सान को विशेष गुणों के साथ धरती पर भेजता है, लेकिन यहां की व्यवस्था इतनी दोषपूर्ण है कि बहुत कम ही उनका सदुपयोग कर पाते हैं। कुछ लोगों को मलाल रहता है कि वे बचपन में बहुत अच्छी चित्रकारी करते थे, बाद में ऐसे फेर में फंसे कि सबकुछ भूल गए। कई जगह सामाजिक वातावरण ऐसा है कि अच्छे-भले युवा उद्देश्यहीनता के शिकार हो जाते हैं। उन्हें प्रेरणा देने वाला कोई नहीं होता है। वे झुंड बनाकर घूमते हैं, थोथी बातें करते हैं और यूं ही पूरा दिन गुजार देते हैं। कई युवा तो नशा करने लगते हैं। उन्हें अपने जीवन में एक 'चमत्कार' का इंतजार रहता है। अगर उन्हें कोई मेहनत का काम करने के लिए कहता है तो फौरन पीछे हट जाते हैं। वे पसीना बहाने से कोसों दूर रहते हैं।

अब सवाल है- इन युवाओं का क्या किया जाए? सबसे पहले तो इन्हें कुसंगति से दूर करना चाहिए। अगर कुसंगति नहीं है तो बहुत अच्छी बात है। उस सूरत में इनकी बेहतरी की उम्मीद ज्यादा रहेगी। ऐसे युवाओं को स्थानीय बाजार मांग को ध्यान में रखते हुए कोई कामकाज सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अगर कोई युवा अपना व्यवसाय शुरू करता है तो स्थानीय लोगों को उसकी बिक्री बढ़ाने में कुछ योगदान देना चाहिए। मेहनती युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए समाज को अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभानी होगी। कई युवा अपना व्यवसाय शुरू करते हैं, लेकिन सबकुछ उधारी में गंवा देते हैं। राजस्थान का एक युवा अपने घर से लगभग 200 किमी दूर फूड स्टॉल लगाता है, क्योंकि इससे पहले अपने शहर में यही काम कर उधारी में धंधा डुबो चुका है। अनजान जगह पर काम करने से उधारी का खटका कम रहता है। कई लोगों में एक विचित्र आदत होती है। उन्हें हर चीज बिल्कुल मुफ्त चाहिए। एक युवा अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद शहर से गांव आया। वहां दो-तीन बच्चे उससे पढ़ाई में मार्गदर्शन लेने के लिए आने लगे। धीरे-धीरे यह संख्या बढ़ने लगी। लोग जब-तब अपने बच्चों को यह कहकर भेजने लगे कि 'सवाल समझ में नहीं आ रहा है तो उन भैया से पूछ लो।' कोई बच्चा गणित की किताब लेकर आता, तो कोई विज्ञान, अंग्रेजी और भूगोल की पोथियां लेकर सवालों की बौछार कर देता। कोई 'प्रिय शिक्षक' पर निबंध लिखवाने आ जाता, तो कोई चार पन्नों का भाषण लिखकर देने की मांग करता। एक दिन उस युवक ने पढ़ाने के लिए मामूली-सा शुल्क लेने की घोषणा की तो सारी भीड़ छंट गई। कई लोग अपने बच्चों की शादियों पर लाखों रुपए खर्च कर देते हैं, ऊंची ब्याज दरों पर कर्ज तक उठा लेते हैं, लेकिन जब बच्चे कोई काम सीखने के लिए रुपए मांगते हैं तो वे आनाकानी करते हैं। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना कोई असंभव काम नहीं है। इसके लिए परिवार, समाज और सरकार - तीनों को प्रयास करने होंगे।

ट्वीटर टॉक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, साल 2016 में लॉन्च किया गया णझख आज दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम डिजिटल पेमेंट सिस्टम बन गया है, जिसने लाखों भारतीयों का भरोसा जीता है। इस डिजिटल क्रांति ने न केवल पेमेंट को आसान और सुविधाजनक बनाया है।

-भजनलाल शर्मा

भाजपा सरकार बेरोज़गारी भत्ता स्कीम को भी इनफ़ॉर्मल तरीके से खत्म करने की राह पर है, ठीक वैसे ही जैसे उसने दूसरे प्रोग्राम के साथ किया है। राज्य भर में लगभग 2 लाख बेरोज़गार युवा सात महीने से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत 4,000 भत्ते का इंतज़ार कर रहे हैं।

-अशोक गहलोत

यूपीआई की यह सफलता डिजिटल इंडिया की बढ़ती ताकत, इनोवेशन और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का एक मज़बूत सबूत है। यह उपलब्धि एक नए भारत की तस्वीर दिखाती है जो टेक्नोलॉजी के साथ कदम मिलाकर दुनिया को लीड करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

साहस से नई राह

अरावली की पहाड़ियों में एक युवा योद्धा चट्टान पर खड़ा होकर सामने फैली घाटी को देख रहा था। उसके साथ कुछ ही सैनिक थे। एक सैनिक ने घबराकर कहा, 'बप्पा, हम इतने कम हैं। क्या हमें पीछे हट जाना चाहिए?' बप्पा रावल ने कुछ क्षण सामने की पहाड़ियों को देखा और शांत स्वर में बोले, 'पीछे हटने का रास्ता भी वही है, जिसे दुश्मन जानता है। हमें वह रास्ता चुनना होगा, जिसे वह जानता ही नहीं।' उसने पहाड़ियों के बीच जाती एक संकरी पगडंडी की ओर इशारा किया। 'आज हम मैदान में नहीं लड़ेंगे आज ये पहाड़ हमारे साथ लड़ेंगे।' रात होते ही सैनिक अलग-अलग दिशाओं में फैल गए। कहीं मशालें जलाई गईं, कहीं घोड़ों की टापें गूंजी गईं। दूर से ऐसा प्रतीत हुआ मानो पहाड़ियों में एक विशाल सेना छिपी हो। सुबह दुश्मन ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन संकरी घाटियों और चारों ओर से आती छोटी-छोटी टुकड़ियों ने उसकी पूरी रणनीति बिगाड़ दी। एक सैनिक ने आश्चर्य से पूछा, 'बप्पा, हमारे पास तो इतने कम सैनिक थे, फिर हमने इतनी बड़ी सेना को कैसे रोक दिया?' बप्पा रावल मुस्कुराए और बोले, 'जीत संख्या से नहीं, विश्वास से मिलती है।

सामयिक

कूटनीति के नए मोड़ पर भारत-चीन संबंध

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बीते कुछ वर्षों से जारी अभूतपूर्व सैन्य गतिरोध के बाद अब सीमा पर एक सापेक्षिक शांति दिखाई दे रही है। बीजिंग में आयोजित हुई विशेष प्रतिनिधियों की 25वें दौर की वार्ता ने दोनों देशों के कूटनीतिक गलियारों में एक नई सुगबुगाहट पैदा कर दी है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई इस उच्च स्तरीय मुलाकात को महज एक नियमित बैठक के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह वार्ता एक ऐसे नाजुक समय पर हो रही है, जब नई दिल्ली सितंबर 2026 में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी की तैयारियों में जुटी है, जहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आगमन की प्रबल संभावना है। इस पृष्ठभूमि में भारत का रुख अत्यंत स्पष्ट और सुदृढ़ रहा है कि जब तक सीमा पर पूर्ण शांति और 2020 से पहले की स्थिति बहाल नहीं होती, तब तक द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य पटरी पर नहीं लाया जा सकता। वर्तमान कूटनीतिक विमर्श का सबसे मुख्य बिंदु यह है कि अब समय केवल 'तनाव प्रबंधन' का नहीं है, बल्कि सीमा विवाद के 'स्थायी समाधान' की ओर ठोस कदम बढ़ाने का है।

बीजिंग वार्ता में दोनों पक्षों के कूटनीतिक दृष्टिकोण का एक बड़ा अंतर सतह पर आ गया है। चीनी पक्ष की रणनीति हमेशा से यह रही है कि वह विवाद को किश्तों में सुलझाए, जिसे कूटनीतिक भाषा में 'अर्ली हार्वेस्ट' या कम विवादित क्षेत्रों पर पहले समझौता करने की नीति कहा जाता है। चीन चाहता है कि जिन क्षेत्रों पर सहमति बन चुकी है, वहां पेट्रोलिंग फिर से शुरू कर दी जाए और बाकी के जटिल मुद्दों को भविष्य के लिए टाल दिया जाए। इस रणनीति के पीछे चीन का मुख्य उद्देश्य भारत के विशाल बाजार तक अपनी आर्थिक पहुंच को निर्बाध बनाए रखना है, जबकि सीमा पर वह अपनी रणनीतिक बढ़त को बरकरार रखना चाहता है। इसके विपरीत, भारत का दृष्टिकोण पूरी तरह से व्यापक और एकमुश्त समाधान का है। भारतीय नीति निर्माताओं का मानना है कि पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश (पूर्वी सेक्टर) तक, पूरी एलएसी पर एक साथ और पारदर्शी तरीके से समाधान निकाला जाना चाहिए। भारत का स्पष्ट मानना है कि टुकड़ों में किए गए समझौते भविष्य में फिर से किसी नए संकट को जन्म दे सकते हैं, जैसा कि हमने 2020 में गलवान घाटी में देखा था। इसलिए, जब तक संपूर्ण सीमा रेखा का सीमांकन और स्पष्टीकरण नहीं होता, तब तक किसी भी अस्थायी शांति को टिकाऊ नहीं माना जा सकता।

इतिहास गवाह है कि चीन केवल उसी शक्ति का सम्मान करता है जो सैन्य और आर्थिक रूप से उसके समकक्ष खड़ी हो सके। इसलिए, भारत को अपनी त्रि-आयामी रणनीति पर कायम रहना होगा: पहला, एलएसी पर सैन्य और तकनीकी सतर्कता में कोई कमी न आने देना; दूसरा, वैश्विक साझेदारों जैसे क्वाड देशों के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाना; और तीसरा, देश के भीतर आर्थिक आत्मनिर्भरता को और तेज करना। अंततः, भारत और चीन के बीच संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग इस विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नतीजों को जमीन पर किस तरह लागू करता है।

वर्ष 2020 के गलवान संघर्ष ने भारतीय रक्षा और विदेश नीति को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। पिछले छह वर्षों में भारत ने चीन के प्रति अपनी पारंपरिक रक्षात्मक नीति को त्यागकर एक आक्रामक और निवारक रुख अपनाया है। आज एलएसी पर भारत की स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक मजबूत और तकनीकी रूप से उन्नत है। भारतीय सेना ने अग्रिम मोर्चों पर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए अत्याधुनिक सैटेलाइट नेटवर्क, एआई-संचालित ड्रोन्स और थर्मल इमेजिंग प्रणालियों को तैनात किया है। इसके साथ ही, इन्फ्रास्ट्रक्चर के मोर्चे पर सीमा सड़क संगठन ने कमाल का काम किया है। दुर्गम से दुर्गम इलाकों में बारहमासी चालू रहने वाली सुरंगों, रणनीतिक पुलों और ऑल-वेदर रोड्स का जाल बिछाया जा चुका है, जिससे अब भारतीय सैनिकों और भारी हथियारों को चंद घंटों में एलएसी के किसी भी सेक्टर में स्थानांतरित किया जा सकता है। यह बुनियादी ढांचागत मजबूती ही है जो आज भारत को चीन के साथ बराबरी के स्तर पर बैठकर बातचीत करने की कूटनीतिक शक्ति प्रदान करती है। अब चीन के लिए भारत को डराकर या सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाना मुमकिन नहीं रह गया है।

एक तरफ जहां चीन कूटनीतिक बैठकों में शांति और स्थिरता की दुहाई देता है, वहीं दूसरी तरफ एलएसी के पार तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में उसका सैन्य ढांचा लगातार मजबूत हो रहा है। उपग्रह से प्राप्त हालिया तस्वीरें और खुफिया रिपोर्टें इस बात की पुष्टि करती हैं कि चीन एलएसी के बेहद करीब नए सैन्य शिविर, हेलीपैड, मिसाइल ठिकाने और दोहरे उपयोग वाले 'श्याओकांग' (सीमावर्ती मॉडल गांव) बसा रहा है। चीन द्वारा किया जा रहा यह निरंतर निर्माण कार्य उसकी नीयत पर गंभीर सवाल खड़े करता है। चीन की यह दोहरी नीति-वार्ता की मेज पर सहयोग की बात करना और जमीन पर यथास्थिति बदलने का प्रयास करना-भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भारतीय वार्ताकार चीन के किसी भी खोखले आश्वासन पर भरोसा करने के मूड में नहीं हैं। भारत ने बीजिंग वार्ता में साफ कर दिया है कि जब तक चीन सीमा के पास अग्रिम मोर्चों से अपने भारी हथियारों, टैंकों और अतिरिक्त सैनिकों को पीछे नहीं हटाता, तब तक केवल पेट्रोलिंग अधिकारों की बहाली को पूर्ण समाधान नहीं माना जाएगा।

भारत-चीन संबंधों का सबसे पेचीदा पहलू यह है कि सीमा पर जारी गंभीर तनाव के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध लगातार बढ़ रहे हैं, जो भारत के लिए एक बड़ी आर्थिक चिंता का विषय है। वर्ष 2026 के शुरुआती छह महीनों के आंकड़े बताते हैं कि भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर लगभग 67.1 अरब डॉलर के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। भारत आज भी कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों, जैसे फार्मास्युटिकल सामग्री , इलेक्ट्रॉनिक्स, सौर ऊर्जा पैनल और भारी मशीनरी के लिए बड़े पैमाने पर चीनी आयात पर निर्भर है। सरकार द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' और 'प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव' जैसी योजनाएं शुरू करने के बावजूद, चीनी सामानों पर निर्भरता को रातों-रात कम करना संभव नहीं हो सका है। कूटनीतिक वार्ताओं में भारत इस आर्थिक असंतुलन को भी एक बड़े हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहा है। भारत ने चीन को यह संदेश दे दिया है कि यदि वह सीमा पर ईमानदारी से समाधान नहीं खोजता, तो भारत में चीनी निवेश और कंपनियों के लिए कारोबारी माहौल सख्त बना रहेगा, जो मंदी से जूझ रही चीनी अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है।

सितंबर 2026 में नई दिल्ली में होने वाला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत के लिए अपनी वैश्विक कूटनीतिक क्षमता का प्रदर्शन करने का एक बड़ा मंच है। इस सम्मेलन में शी जिनपिंग की संभावित उपस्थिति ने दोनों देशों पर सीमा विवाद को किसी तार्किक परिणति तक पहुंचाने का दबाव बढ़ा दिया है। भारत इस वैश्विक मंच का उपयोग अपनी शर्तों पर शांति स्थापित करने के लिए करना चाहता है, न कि किसी कूटनीतिक समझौते के दबाव में आकर।

इतिहास गवाह है कि चीन केवल उसी शक्ति का सम्मान करता है जो सैन्य और आर्थिक रूप से उसके समकक्ष खड़ी हो सके। इसलिए, भारत को अपनी त्रि-आयामी रणनीति पर कायम रहना होगा: पहला, एलएसी पर सैन्य और तकनीकी सतर्कता में कोई कमी न आने देना; दूसरा, वैश्विक साझेदारों जैसे क्वाड देशों के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाना; और तीसरा, देश के भीतर आर्थिक आत्मनिर्भरता को और तेज करना। अंततः, भारत और चीन के बीच संबंधों का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि बीजिंग इस विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नतीजों को जमीन पर किस तरह लागू करता है। अब वह दौर बीत चुका है जब केवल संधियों और बयानों से सीमा पर शांति की उम्मीद की जा सकती थी। भारत को चीन की 'सलामी स्लाइसिंग' (धीरे-धीरे जमीन हड़पने की नीति) के प्रति निरंतर सतर्क रहना होगा। एशिया और पूरी दुनिया की स्थिरता के लिए इन दो महाशक्तियों के बीच शांति आवश्यक है, लेकिन यह शांति भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान की कीमत पर कभी नहीं हो सकती। अब प्रबंधन के ढुलमुल रवैये को छोड़कर, दोनों देशों की सीमाओं का स्पष्ट निर्धारण करने और एक स्थायी, सर्वमान्य और बाध्यकारी समाधान खोजने की बारी है। नई दिल्ली को अपनी कूटनीतिक दृढ़ता और सैन्य तत्परता के इसी संतुलन को बनाए रखना होगा, क्योंकि चीन के साथ शांति का रास्ता केवल और केवल आंतरिक शक्ति और सतर्कता से होकर ही गुजरता है।

नजरिया

त्योहारों से पहले फीकी पड़ी चीनी की मिठास

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

त्योहारों की दस्तक के साथ ही रसोई की मिठास पर महंगाई का ग्रहण लग गया है। चीनी की कीमतों में आया उछाल केवल बाजार का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि नीति, मौसम और वैश्विक हालात के जटिल गठजोड़ का परिणाम है। गणेश चतुर्थी, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों की दस्तक के साथ ही देशभर की रसोई में इस्तेमाल होने वाली चीनी की कीमतों में तेज उछाल देखा जा रहा है। मिल स्तर पर दाम लगभग साढ़े पाँच हजार रुपये प्रति क्विंटल के आसपास पहुँच गए हैं, जबकि खुदरा बाजार में पिछले साल की तुलना में करीब तेरह फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। सवाल यह है कि आखिर वह कौन-सी वजहें हैं जिनके चलते इस बार त्योहारों से पहले ही चीनी आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और क्यों सरकार को आयात तक का रास्ता तलाशना पड़ रहा है।

इस संकट की जड़ में सबसे बड़ा कारण गन्ने की फसल का एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल उत्पादन की ओर मोड़ा जाना बताया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है, जिसके तहत गन्ने के रस, सिरप और मोलासेस से बड़े पैमाने पर एथेनॉल तैयार किया जा रहा है। इस मौजूदा सीजन में गन्ने से जितनी चीनी बननी थी, उसमें से एक बड़ा हिस्सा एथेनॉल संयंत्रों में चला गया, जिससे बाजार में उपलब्ध चीनी की मात्रा घट गई। विपक्षी दलों का आरोप है कि यही एथेनॉल नीति चीनी की मौजूदा किल्लत और महंगाई की असली वजह है, जबकि सरकार का कहना है कि संकट के पीछे केवल एथेनॉल डायवर्जन नहीं बल्कि कई और कारक भी जिम्मेदार हैं। इन अतिरिक्त कारकों में सबसे अहम है मौसम की मार। पिछले साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की देरी से वापसी के चलते महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में फसल को भारी नुकसान पहुँचा। अत्यधिक बारिश और उसके बाद जलभराव वाले खेतों में धूप और हवा की कमी के कारण गन्ने की बढ़वार प्रभावित हुई। नतीजा यह हुआ कि पहले जो अनुमान लगाए गए थे, उत्पादन उनसे काफी कम रहा। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े गन्ना उत्पादक राज्य में भी हालात कुछ बेहतर नहीं रहे और वहाँ भी उत्पादन पूर्व अनुमानों से पीछे छूट गया। इस तरह प्राकृतिक आपदा और नीतिगत फैसले दोनों मिलकर चीनी की उपलब्धता कम करने में भूमिका निभा रहे हैं।

इस पूरे प्रकरण में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना जटिल हो सकता है। एक ओर देश पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर उसी गन्ने पर आधारित यह नीति घरेलू रसोई की जरूरतों से टकरा रही है। यही वजह है कि नीति निर्माताओं के सामने चुनौती केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि प्राथमिकताओं के संतुलन की भी है, कि किस हद तक गन्ने का इस्तेमाल ईंधन के लिए हो और किस हद तक भोजन के लिए।

आंकड़ों को देखें तो चालू सीजन के शुरुआती अनुमान में गन्ना उत्पादक राज्यों ने करीब 343 लाख मीट्रिक टन चीनी उत्पादन का लक्ष्य रखा था। लेकिन इसमें से करीब चौंतीस लाख टन गन्ना एथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल होने का अनुमान लगाया गया, जिससे शुद्ध चीनी उत्पादन घटकर करीब तीन सौ नौ लाख टन रह गया। बाद में उद्योग जगत के ताजा आकलन में यह आंकड़ा और नीचे खिसकता नजर आया, जिसमें एथेनॉल की ओर मुड़ने वाली मात्रा तीस लाख टन के आसपास आँकी गई और शुद्ध उत्पादन लगभग दो सौ उन्यासी लाख टन तक सिमट गया। जाहिर है, मांग और आपूर्ति के इस अंतर ने बाजार में दाम बढ़ने की जमीन तैयार कर दी। यह संकट सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया में सबसे ज्यादा गन्ना उगाने वाला देश ब्राजील भी इसी तरह की चुनौती से जूझ रहा है। वहाँ भी सरकार और उद्योग गन्ने को एथेनॉल उत्पादन की ओर मोड़ रहे हैं, जिससे चीनी उत्पादन में करीब तीन फीसद तक की कमी आने की आशंका जताई जा रही है। यह गिरावट लाखों टन में आँकी जा रही है। ब्राजील के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में देर से हुई बरसात और तापमान में असामान्य बढ़ोतरी ने भी गन्ने की उपज पर बुरा असर डाला है। चूँकि ब्राजील वैश्विक चीनी बाजार में सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता है, इसलिए वहाँ की सप्लाई घटने का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर भी पड़ रहा है।

इसी वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए भारत सरकार कच्ची चीनी के आयात पर विचार कर रही है, ताकि घरेलू बाजार में आपूर्ति बहाल की जा सके और त्योहारी मांग के दौरान कीमतों पर लगाम लगाई जा सके। साथ ही यह संभावना भी जताई जा रही है कि आगामी 2026-27 सीजन में सरकार चीनी मिलों को गन्ने के रस और बी-हैवी मोलासेस से सीधे एथेनॉल न बनाने का निर्देश दे सकती है, ताकि पहले घरेलू बाजार में चीनी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित हो और उसके बाद ही एथेनॉल उत्पादन को प्राथमिकता दी जाए। यह कदम अगर लागू होता है तो आने वाले समय में चीनी उत्पादन में सुधार की उम्मीद बढ़ सकती है, हालांकि इससे एथेनॉल मिश्रण के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों पर असर पड़ना भी लाजिमी है। उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि गन्ने की घटती उत्पादकता भी एक गंभीर मुद्दा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यदि सरकार गन्ने की पैदावार बढ़ाने के लिए कोई नई नीति लाना चाहती है, तो उसका असर आने में भी लंबा वक्त लगेगा, क्योंकि गन्ने की खेती और उसकी उपज बढ़ाने में कई महीनों का समय दरकार होता है। ऐसे में अल्पकाल में समाधान आयात और भंडार प्रबंधन जैसे उपायों से ही निकलने की उम्मीद है। कुछ जानकार यह भी मानते हैं कि कृत्रिम रूप से बाजार में कमी दिखाने और दाम बढ़ाने की प्रवृत्ति भी इस संकट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने में भूमिका निभा रही है, यानी कुछ मिलों द्वारा जानबूझकर भंडार रोके जाने की भी आशंका जताई जा रही है, जिससे बाजार में कृत्रिम कमी का माहौल बनता दिख रहा है।

इस पूरे प्रकरण में एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना जटिल हो सकता है। एक ओर देश पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने के लिए एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर उसी गन्ने पर आधारित यह नीति घरेलू रसोई की जरूरतों से टकरा रही है। यही वजह है कि नीति निर्माताओं के सामने चुनौती केवल आंकड़ों की नहीं बल्कि प्राथमिकताओं के संतुलन की भी है, कि किस हद तक गन्ने का इस्तेमाल ईंधन के लिए हो और किस हद तक भोजन के लिए। आने वाले महीनों में चीनी की कीमतें त्योहारी मांग, मानसून की स्थिति, वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव और सरकार की एथेनॉल नीति में संभावित बदलावों पर निर्भर करेंगी। आम उपभोक्ता के लिए राहत तभी संभव होगी जब घरेलू उत्पादन में सुधार आए, आयात समय पर हो और नीतिगत स्तर पर खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के बीच बेहतर तालमेल बैठाया जाए। तब तक के लिए मिठास की यह महंगाई आम रसोई के बजट को कड़वा अनुभव कराती रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एसबीआई को एनआरआई, विदेशी निवेशकों से 10 अरब डॉलर जुटने की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती मुद्रा अदला-बदली सुविधा इस महीने के अंत में बंद होने से पहले करीब 10 अरब डॉलर जुटाने की उम्मीद है। शेट्टी ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, कुल मिलाकर हमें 10 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचना चाहिए। इसमें मुख्य रूप से जमा राशि का योगदान होगा। हालांकि, विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के मामले में भी संभावनाएं हैं। ईसीबी के लिए हमारे पास अधिक समय रहेगा, लेकिन 31 अगस्त तक हमें कुल करीब 9-10 अरब डॉलर जुटा लेने चाहिए। भारतीय रिजर्व बैंक ने इस महीने की शुरुआत में विदेशी मुद्रा प्रवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) जमा के लिए मुद्रा अदला-बदली सुविधा को एक महीने पहले बंद करने का फैसला किया था। अब यह सुविधा पहले तय 30 सितंबर के बजाय 31 अगस्त को बंद होगी। विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) जुटाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को सस्ती मुद्रा से जोखिम के बचाव की सुविधा देने वाली विशेष डॉलर-रुपया अदला-बदली सुविधा 31 दिसंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगी।

एसबीआई की 'दृष्टिकोण 2030' रणनीति के बारे में पूछे जाने पर शेट्टी ने कहा कि बैंक का लक्ष्य अपने कुल कारोबार को दोगुना कर करीब 200 लाख करोड़ रुपये करने का है। वर्ष 2030 में बैंक को स्थापित हुए 75 वर्ष पूरे होंगे। एसबीआई की स्थापना एक जुलाई, 1955 को संसद के एक कानून के जरिये हुई थी। इस कानून में अन्य बातों के अलावा इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया के कारोबार को एसबीआई को हस्तांतरित करने का प्रावधान किया गया था। बैंक ने गत वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में 100 लाख करोड़ रुपये के कुल कारोबार का आंकड़ा पार किया था। कुल कारोबार में कुल ऋण एवं अग्रिम शामिल हैं। जून, 2026 के अंत तक यह बढ़कर 110.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। 'प्लैटिनम' जयंती वर्ष के लिए बैंक ने कोई विशेष लक्ष्य तय किया है या नहीं, इस सवाल पर शेट्टी ने कहा कि कोई औपचारिक लक्ष्य नहीं है। हालांकि, बैंक की मौजूदा वृद्धि दर के आधार पर 2030 तक उसका कुल कारोबार 170-180 लाख करोड़ रुपये और संभवतः 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

शेट्टी ने कहा कि एसबीआई के परिचालन का आकार भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर भारतीय अर्थव्यवस्था सात-आठ प्रतिशत की दर से बढ़ती रहती है तो एसबीआई के बही-खाते में सालाना करीब 11-12 प्रतिशत की वृद्धि की क्षमता है। उन्होंने कहा, अगर भारतीय अर्थव्यवस्था सात-आठ प्रतिशत की दर से बढ़ती है और हमारे बही-खाते में 11-12 प्रतिशत की वृद्धि की क्षमता है, तो इसका मतलब है कि हर छह साल में एसबीआई का बही-खाता दोगुना होगा। इसलिए 2030 तक हमारे कुल कारोबार के 200 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की संभावना है।''

'आप लोग इस मामले को खत्म क्यों नहीं होने देते?' कंगना के साथ हुए विवाद पर तापसी का बयान

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री-राजनेता कंगना रनौत के ताजा हमले के बीच अभिनेत्री तापसी पन्नू ने मंगलवार को मीडिया से दोनों के बीच कथित विवाद को लेकर सवाल पूछना बंद करने को कहा। अपनी नई नेटफ्लिक्स फिल्म 'गांधारी'' के 'ट्रेलर लॉन्च' कार्यक्रम में तापसी से कंगना की उनके बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर सवाल पूछा गया था। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, आप खत्म क्यों नहीं होने देते ये बात? कोई सवाल पूछना हम दोनों से बंद करेगा जब ये वाला, तो यह मुद्दा भी खत्म हो जाएगा। तापसी ने कहा, ''आप सब लोगों को मजा आ रहा है ये सब देख के, इसीलिए वही सवाल पूछ रहे हैं। ऐसे सवाल पूछना अगर आप बंद कर देते, तो यह बात कब की खत्म हो जाती।'' दोनों अभिनेत्रियों के बीच कभी सीधे तौर पर कोई टकराव नहीं हुआ, लेकिन उनके बीच विवाद की शुरुआत 2019 में हुई थी, जब कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने तापसी को कंगना की ''सस्ती कॉपी'' कहा था। यह टिप्पणी बाद में दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से होने वाली बयानबाजी में बार-बार सामने आती रही। बाद में यह विवाद भाई-भतीजावाद और कंगना द्वारा बॉलीवुड के कथित ''मूवी माफिया'' की आलोचना को लेकर बड़े मतभेद में बदल गया। दोनों अभिनेत्रियां समय-समय पर एक-दूसरे पर तंज कसती रही हैं। हाल ही में एक समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में तापसी ने कंगना के साथ लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों पर बात करते हुए कहा था कि दोनों अभिनेत्रियां कभी मिली ही नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''मैं उनसे नहीं मिली हूं। जब ये कथित मुद्दे शुरू हुए थे, तब भी मैं उनसे नहीं मिली थी। अब भी उनसे नहीं मिली हूं। उनके बारे में मेरी राय मेरी परवरिश और मेरे बात करने के तरीके और चीजों को देखने के मेरे नजरिये को दर्शाती है और उनका... वह अपने नजरिये पर कायम हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि सभी के लिए यह देखने और तय करने के लिए काफी है कि कौन कहां से आता है।''

कंगना को तापसी की यह टिप्पणी पसंद नहीं आई और उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा करते हुए एक बार फिर तापसी को ''सस्ती कॉपी'' कहा। कंगना ने लिखा, ''एक सस्ती कॉपी अपनी आने वाली बी-ग्रेड फिल्म के साथ सामने आ गई है, लेकिन हमेशा की तरह मीडिया के लिए सुर्खियों में रहने वाली बात कंगना रनौत ही हैं। लेकिन आज उसने बेशर्मी से मेरी परवरिश/माता-पिता का मजाक उड़ाकर सारी हदें पार कर दीं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सभी माता-पिता अपना सर्वश्रेष्ठ करते हैं और मैं कभी किसी बहस में माता-पिता को नहीं लाती, लेकिन आज मैं उसके माता-पिता से भी पूछना चाहती हूं कि वे मेरे माता-पिता की तरह किसी मौलिक व्यक्ति को जन्म क्यों नहीं दे सके? सस्ती कॉपी क्यों? आपकी कोशिशों को देखकर दुख होता है।''

सोमवार को कंगना ने अभिनेता आशुतोष राणा, सोनू सूद और राखी सावंत के साथ तापसी की भी आलोचना की।

कंगना ने कहा, ''मैं ऐसे लोगों को हर दिन देखती हूं, चाहे वह आशुतोष राणा हों, जो कहते हैं कि मैं कुत्ते की तरह भौंकती हूं, या सोनू सूद, जो कहते हैं कि मुझे व्यवहार करना सीखना चाहिए।

सुनीता आहूजा के सपोर्ट में आईं कश्मीरा शाह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच जारी तनाव पर अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने प्रतिक्रिया दी है। गोविंदा के भांजे कृष्णा की पत्नी कश्मीरा ने मीडिया संग बातचीत में कहा है कि वे इस मामले में अपनी मामी सुनीता के साथ हैं। कश्मीरा का कहना है कि वे अपने परिवार को बिखरने नहीं देंगी, चाहे जो भी हो वह उसे बचाएंगी। टेलीविजन अभिनेता अभिषेक कुमार की बर्थडे पार्टी के बाहर खड़े पैपराजी ने जब कश्मीरा शाह से बात करते हुए इस सिचुएशन के बारे में पूछा गया। कश्मीरा ने पैप्स पर भड़कते हुए कहा, जब उन्होंने एक-दूसरे को छोड़ दिया है, तो आप उन्हें अकेला क्यों नहीं छोड़ देते? आप यह सवाल क्यों पूछ रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि वह सुनीता के साथ खड़ी हैं और बताया कि वह आमतौर पर पब्लिक में बोलने से बचती रही हैं। अभिनेत्री कश्मीरा शाह ने कहा, मैं सुनीता मामी के साथ हूं। उन्होंने पहले कभी नहीं बोला है, कभी नहीं कहा कि यह गलत है, लेकिन अगर आज वह कुछ कह रही हैं, तो जरूर कुछ गड़बड़ है। उन्होंने आगे यह भी साफ किया कि परिवार में चल रहे विवाद के बीच वह अपने परिवार के साथ खड़ी रहेंगी। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार की सभी महिलाओं के साथ खड़ी रहूंगी। साथ ही, अपने परिवार को हर हाल में बचाऊंगी।सुनीता के लिए कश्मीरा का सपोर्ट उस वक्त आया है, जब कुछ महीने पहले ही दोनों ने अपने पुराने झगड़ों को भुला दिया था।दरअसल, अभिनेत्री कश्मीरा शाह उनकी मामी सुनीता के बीच पिछले काफी सालों से मनमुटाव चल रहा था, जिसकी वजह से दोनों परिवार एक-दूसरे से दूर थे। यहां तक कश्मीरा की ननद यानी की आरती की शादी में सुनीता नहीं गई थी।

ट्रेलर प्रीव्यू

आगामी फिल्म 'गांधारी' के ट्रेलर प्रीव्यू के दौरान (बाएं से) बॉलीवुड अभिनेता जतिन सरना, तापसी पन्नू, फिल्म निर्माता कणिका ढिल्लों, रुचिका कपूर शेख, अभिनेत्री मीता वशिष्ठ, छाया कदम और इशवाक सिंह।

'मैं बस अपने दर्शकों का मनोरंजन करना चाहता हूं': पुष्कर जोग

मुंबई/एजेन्सी

म्यूजिक वीडियो की दुनिया में किसी गाने को हिट बनाने में सिर्फ उसकी धुन और बोल ही काफी नहीं होते। कलाकारों के बीच दिखने वाली केमिस्ट्री भी दर्शकों को गाने से जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाती है। अभिनेता पुष्कर जोग और अभिनेत्री तानिया चटर्जी की जोड़ी इन दिनों म्यूजिक वीडियो 'हाय रे हाय' में नजर आ रही है। इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों का ध्यान खींच रही है। पुष्कर ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में ऑन-स्क्रीन कनेक्शन को लेकर बात की और बताया है कि दोनों के बीच यह तालमेल कैसे बना। पुष्कर जोग से जब आईएएनएस ने पूछा कि म्यूजिक वीडियो में कम समय के अंदर किसी को-एक्टर के साथ नैचुरल केमिस्ट्री बनाना कितना मुश्किल होता है। इस पर उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो अगर सामने अच्छा को-एक्टर हो तो इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत या वक्त की जरूरत नहीं पड़ती। दो कलाकारों के बीच सहजता और एक-दूसरे को समझने की क्षमता हो तो कैमरे के सामने कनेक्शन अपने आप नजर आने लगता है। तानिया के साथ काम करने का अनुभव मेरे लिए काफी सहज रहा।''

पुष्कर ने म्यूजिक वीडियो की पूरी टीम के काम को सराहा। उन्होंने खास तौर पर निर्देशक अभिजीत दानी की तारीफ करते हुए कहा, ''उन्होंने गाने को शानदार तरीके से पेश किया है। निर्देशक ने गाने की एनर्जी को समझते हुए उसे पर्दे पर सही तरीके से उतारा। इसके अलावा शानदार कोरियोग्राफी ने डांस को मजेदार बना दिया। इसके बीट्स पहली बार सुनते ही दिल को छू जाएंगे और एक अलग तरह का कनेक्शन महसूस होगा। बीट्स सुनकर मेरा मन डांस करने का होने लगा था।''

पुष्कर ने कहा, ''मैं ड्राइव करते समय भी इस गाने को सुनकर डांस करने लगता हूं। मेरे करियर की शुरुआत ही डांस से हुई थी। इसलिए मेरे लिए 'हाय रे हाय' सिर्फ एक म्यूजिक वीडियो नहीं है, बल्कि अपने पुराने डांस सफर को हिंदी दर्शकों के सामने पेश करने का एक मौका भी है। मैं चाहता था कि हिंदी दर्शक भी मेरे डांस से जुड़े इस पहलू को देखें और मुझे एक अलग अंदाज में जानें।''जब पुष्कर से पूछा गया कि क्या यह गाना उन्हें मराठी सिनेमा में बनी अपनी छवि से बाहर निकलकर कुछ नया करने का मौका देता है, तो उन्होंने कहा, ''मैं अपने करियर को इस तरह से नहीं देखता। मैं किसी खास इमेज में बंधकर काम नहीं करना चाहता। मेरे लिए सबसे जरूरी बात दर्शकों का मनोरंजन करना है, फिर चाहे दर्शक मराठी हों या हिंदी।'' पुष्कर ने कहा, ''मैं बस अपने दर्शकों का मनोरंजन करना चाहता हूं। अगर इस तरह का कोई गाना या डांस है, तो मुझे लगता है कि लोग इसे पसंद करते हैं। ऐसे में जब आपके पास तानिया जैसी को-एक्टर हों, तो यह सोने पर सुहागा है।''

फिल्म प्रेम कीटाणु का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वीर पहाड़िया अपनी आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं और अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। रंगों से भरपूर और बेहद मज़ेदार अंदाज़ में जारी किए गए इस पोस्टर में वीर का चुलबुला और ऊर्जावान अवतार देखने को मिल रहा है, जो फिल्म के मनोरंजक और हल्के-फुल्के अंदाज़ की झलक दे रहा है। यह पोस्टर फिल्म के टीज़र और हाल ही में रिलीज़ हुए गीत 'अंडी बंडी' के बाद सामने आया है। जहां इस गीत में वीर की जबरदस्त एनर्जी और डांसिंग अंदाज़ देखने को मिला था, वहीं टीज़र ने दर्शकों को फिल्म की दुनिया और कहानी की एक दिलचस्प झलक दिखाई थी।

गौरतलब है कि इन दोनों एसेटस को दर्शकों से न सिर्फ अच्छा रिस्पॉन्स मिला है, बल्कि इसने फिल्म को लेकर उत्साह को बढ़ा भी दिया है। ऐसे में अब इस नए पोस्टर ने दर्शकों की उत्सुकता को अगले पायदान पर चढ़ा दिया है और सभी की नज़रें वीर पहाड़िया की तरफ टिक गई हैं। वैसे हर नए अपडेट के साथ 'प्रेम कीटाणु' दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बना रही है।

फिल्म का यह नया पोस्टर भी उसी उत्साह को आगे बढ़ाते हुए इसके मज़ेदार और मनोरंजक पहलू को उजागर कर रहा है। इसी के साथ वीर पहाड़िया की अगली फिल्म को लेकर फैंस पहले से ही उत्साहित हैं और अब इस नए पोस्टर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। जैसे-जैसे फिल्म से जुड़े नए खुलासे सामने आ रहे हैं, 'प्रेम कीटाणु' को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ती जा रही है।

सुदेश बेरी की नई फैमिली कॉमेडी 'हे भगवान बचा ले' जल्द होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में परिवार और रिश्तों पर बनी फिल्मों का अपना अलग प्रभाव रहा है। इस कड़ी में अभिनेता सुदेश बेरी अब एक नई फैमिली कॉमेडी फिल्म 'हे भगवान बचा ले' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। फिल्म में कॉमेडी के साथ भावनाओं और पारिवारिक रिश्तों को भी कहानी का अहम हिस्सा बनाया गया है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार पर आधारित है, जिसके सदस्य हमेशा किसी न किसी बात को लेकर आपस में उलझते रहते हैं, लेकिन एक अनोखी घटना के बाद उन्हें अपने रिश्तों की असली कीमत समझ आती है। 'हे भगवान बचा ले' में सुदेश बेरी के साथ अनिल धवन, सोनिका गिल, क्षितिज पंवार, शालिनी ठाकुर, जनार्दन झा, मीनाक्षी, कुंदन कुमार, प्रमोद सैनी और शिव कुमार शर्मा नजर आएंगे। फिल्म का मकसद सिर्फ दर्शकों को हंसाना नहीं, बल्कि हंसी और भावनाओं के जरिए यह बताना भी है कि जिंदगी में परिवार और अपने रिश्ते सबसे बड़ी दौलत होते हैं।

फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार से शुरू होती है, जिसके सदस्य एक-दूसरे से प्यार तो करते हैं, लेकिन उनके बीच अक्सर झगड़े होते रहते हैं। छोटी-छोटी बातों पर होने वाली बहस और मतभेद ने घर के माहौल को ऐसा बना दिया है कि परिवार के लोग एक-दूसरे के साथ होते हुए भी खुश नहीं हैं। इसी बीच उनकी जिंदगी में एक ऐसा मोड़ आता है, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। कहानी में परिवार का सामना भगवान से होता है और उन्हें अपनी एक इच्छा मांगने का मौका मिलता है।

अब सवाल यह है कि जब किसी इंसान को भगवान से अपनी मनचाही चीज मांगने का मौका मिले तो वह क्या मांगेगा? फिल्म में इस सवाल का जवाब काफी दिलचस्प तरीके से दिया गया है। शुरुआत में ऐसा लग सकता है कि परिवार के लोग करोड़ों रुपए, कीमती हीरे या कोई लग्जरी चीज मांगेंगे। लेकिन कहानी यहां दर्शकों को चौंका देती है। परिवार के सदस्य दौलत और कीमती सामान की जगह अपनों को मांगते हैं। यही फिल्म का सबसे बड़ा संदेश है। फिल्म यह समझाने की कोशिश करती है कि जिंदगी में असली 'हीरे' हमारे परिवार के लोग हैं। इसी सोच को फिल्म की लाइन 'हमारे असली हीरे हमारा परिवार हैं' के जरिए सामने रखा गया है। कहानी यह बताती है कि कई बार इंसान अपने ही लोगों की कीमत तब समझता है, जब उन्हें खोने का डर सामने आता है। फिल्म का निर्देशन मनोज सिंह ने किया है। फिल्म का निर्माण रवि खन्ना ने किया है, जबकि रश्मिता दास को-प्रोड्यूसर और अख्तर खान एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग तपन भट्ट ने लिखे हैं।

तनुश्री दत्ता का 'वेटरन' शब्द पर निशाना

मुंबई/एजेन्सी

'आशिक बनाया आपने' और 'ढोल' जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में 'वेटरन' का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।''

तनुश्री ने लिखा, ''वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।''

तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ''ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे। बॉलीवुड ने इस घटना को बार-बार देखा है।'' तनुश्री ने पोस्ट में लिखा, ''किसी इंसान को उसकी उम्र, शक्ल या बैकग्राउंड देखकर अच्छा या बुरा नहीं मानना चाहिए। असली पहचान उसके भीतर के स्वभाव और उसके कर्मों से होती है। यह दुनिया हम जैसे लोगों ने बनाई है और उन लोगों द्वारा नष्ट की जाती है, जो शालीनता का मुखौटा पहनते हैं।''

इसके बाद तनुश्री ने लिखा, ''आत्माओं और दिव्यता को पहचानें। अगर सिर्फ उम्रदराज या अनुभवी होना ही किसी को सम्मान के लायक बनाता है, तो फिर बुराई करने वाले राक्षसों को भी 'वेटरन' कहा जा सकता है।'' आखिर में तनुश्री ने अपने पूरे अनुभव के बारे में बताते हुए लिखा, ''मैंने एक बहुत बड़ी सीख ली है। आज मैं सम्मान उम्र के हिसाब से नहीं, बल्कि चरित्र के हिसाब से देती हूं।''

श्रीदेवी की स्टूडेंट बनना चाहती थीं काजोल

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी रही हैं, जिनका असर आगे आने वाली पीढ़ी के कलाकारों पर भी दिखाई देता है। श्रीदेवी भी ऐसी ही कलाकार थीं। बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां उन्हें अपनी प्रेरणा मानती रही हैं। इनमें अभिनेत्री काजोल का नाम भी शामिल है। काजोल ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह श्रीदेवी के अभिनय से इतनी प्रभावित थीं कि चाहती थीं कि दिग्गज अभिनेत्री अपना एक अभिनय स्कूल खोलें और वह उनकी पहली छात्रा बनें। काजोल ने यह दिलचस्प बात अभिनेता अनुपम खेर के लोकप्रिय टॉक शो 'द अनुपम खेर शो' में कही। बातचीत के दौरान अनुपम खेर ने उनसे पूछा कि फिल्मों में आने से पहले उनकी पसंदीदा अभिनेत्रियां कौन थीं। इस सवाल के जवाब में काजोल ने बताया कि जब वह बहुत छोटी थीं, तब उनकी कोई एक पसंदीदा अभिनेत्री नहीं थी। लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ी हुईं, श्रीदेवी का अभिनय उन्हें बेहद पसंद आने लगा। काजोल ने कहा, श्रीदेवी शानदार अभिनेत्री थीं। मैं उनसे हमेशा कहती थी कि उन्हें एक अभिनय स्कूल खोल लेना चाहिए। अगर ऐसा होता तो मैं खुद उस स्कूल की पहली छात्रा बनना चाहती थी और बहुत कुछ सीखना चाहती थी।''काजोल ने श्रीदेवी की सबसे बड़ी खूबी उनके अभिनय में बदलाव को बताया। उन्होंने कहा, ''श्रीदेवी जिस किरदार को निभाती थीं, उसमें पूरी तरह उतर जाती थीं। दर्शक उन्हें देखकर यह भूल जाते थे कि सामने एक अभिनेत्री है और उन्हें सिर्फ वही किरदार नजर आता था, जिसे वह निभा रही होती थीं। यही बात श्रीदेवी को दूसरी अभिनेत्रियों से अलग बनाती थी।''

काजोल ने 'चांदनी', 'चालबाज', 'सदमा' और 'लम्हे' जैसी फिल्मों का उदाहरण देते हुए कहा कि इन फिल्मों में श्रीदेवी के किरदार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे, लेकिन हर भूमिका में वह पूरी तरह विश्वसनीय लगीं। काजोल ने आगे कहा, ''श्रीदेवी के किरदारों में कहीं न कहीं उनकी अपनी शख्सियत की हल्की झलक जरूर मिलती थी, लेकिन वह कभी किरदार पर हावी नहीं होती थी। यही एक सच्चे अभिनेता की पहचान थी। फिल्म 'खुदा गवाह' में श्रीदेवी का अभिनय शानदार था। उनकी आंखों में कभी उम्र दिखाई नहीं देती थी। उनके अंदर हमेशा जिंदगी को लेकर उत्साह नजर आता था। हमेशा कुछ नया करने की इच्छा दिखाई देती थी। ऐसा लगता था कि उन्होंने कितना भी काम कर लिया हो, लेकिन अभी भी उनके अंदर बहुत कुछ करने की चाह बाकी है।'' श्रीदेवी का 24 फरवरी 2018 को 54 साल की उम्र में निधन हो गया था। दुबई में एक पारिवारिक समारोह के दौरान होटल के बाथटब में दुर्घटनावश डूबने से उनकी मौत हुई थी। उनके अचानक चले जाने से पूरा फिल्म जगत स्तब्ध रह गया।

आरवाईए ने 925 जरूरतमंद विद्यार्थियों को बांटी पाठ्य पुस्तकें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के प्रिंसेस श्राइन सभागार में राजस्थान यूथ एसोसिएशन(आरवाईए) ने अपनी बुक बैंक योजना के अंतर्गत एक समारोह आयोजित कर बी कॉम एवं बीबीए के 925 जरूरतमंद विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों की सहायता दी। आरवाईए के अध्यक्ष सुभाष खिंवेसरा ने सभी का स्वागत किया। समारोह में बी कॉम पढ़ रहे 765 विद्यार्थियों तथा बीबीए पढ़ रहे 160 विद्यार्थियों को किताबों का संपूर्ण सेट प्रदान किया गया। साथ ही चिक्कबल्लापुर गवर्नमेंट विमेंस कॉलेज को 1 सैनिटरी पैड इंसिनरेटर, दोड्डाबल्लापुर गवर्नमेंट कॉलेज को आरओ प्लांट दिया गया तथा 245 विद्यार्थियों को शिक्षा छात्रवृत्ति भी दी गई। आरवाईए ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेंद्र चोरड़िया ने शिक्षा सशक्तिकरण और सामाजिक सेवा के ज़रिए एक बेहतर समाज बनाने के लिए जुटे आरवाईए सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एथर एनर्जी के को-फाउंडर तरुण मेहता और अतिथियों में सेंसेरा इंजीनियरिंग लिमिटेड के एफआर सिंघवी व एडीडी ग्रुप के चेयरमैन अनिल सेठी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एफआर सिंघवी ने विद्यार्थियों से कहा कि परोपकार की शुरुआत घर से होती है, अगर आप कुछ देते हैं, तो यह कर्म की तरह वापस लौटकर आता है। अनिल सेठी ने कहा कि एक अभ्यास पुस्तिका का हर साल एक छात्र से दूसरे छात्र तक का सफर एक बहुत अच्छी बात है।

आरवाईए के कमल पूनमिया ने बताया कि संस्था के सदस्य प्रेम चोरड़िया की स्मृति में यलहंका स्थित सरकारी फर्स्ट ग्रेड कॉलेज में 40 कंप्यूटर और कंप्यूटर लैब का पूरा इंफ्रास्ट्रक्चर (टेबल और कुर्सियों सहित) लगाया गया जिसमें सैंकड़ों विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे है। उपाध्यक्ष संदीप बाफना ने विभिन्न सहयोगियों को धन्यवाद दिया।

तपअनुमोदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारत वर्षीय साधुमार्गी शांतक्रांति संघ कर्नाटक शाखा के सदस्यों ने मासखमण के तपस्वी सूरजबाई छाजेड़, अमिता नाहटा, संदीप छाजेड़ का सम्मान किया। इस मौके पर संघ के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लुणावत, प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब के नेतृत्व में महामंत्री अभय कुमार बांठिया, कोषाध्यक्ष हितेश बोहरा, गौतमचंद ओस्तवाल, महेंद्र चोपड़ा, प्रकाशचंद नाहटा, गौतमचंद छाजेड़, नेमीचंद चोरड़िया आदि ने सम्मान किया।

साधुमार्गी जैन संघ ने मुमुक्षु नवरतन कोठारी का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा चामराजपेट में मुमुक्षु नवरतन कोठारी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दीक्षार्थी कोठारी ने कहा कि संसार के सभी सुख नश्वर हैं, वे केवल सुख के आभास मात्र हैं। प्रत्येक सांसारिक सुख के पीछे घोर दुःख छिपा हुआ है। मनुष्य जन्म, आर्यकुल, जिनवाणी श्रवण एवं सुगुरु का सानिध्य दुर्लभ सौभाग्य है। ऐसे दुर्लभ मनुष्य जन्म को संयम एवं साधना के मार्ग पर लगाकर आत्मा के अनंत सुख को प्राप्त किया जा सकता है।

संघ के अध्यक्ष गोपालचंद खिंवसरा ने स्वागत करते हुए कहा कि दीक्षा आत्मकल्याण के मार्ग पर बढ़ने का महान संकल्प है। उन्होंने बताया कि मुमुक्षु नवरतन कोठारी की जैन भागवती दीक्षा आचार्य श्री रामेश एवं बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय श्री राजेशमुनि आदि ठाणा के सान्निध्य में 4 सितम्बर को बीकानेर में संपन्न होगी। मार्गदर्शक कमल सिपानी, शिखर सदस्य शांतिलाल सांड, संघ के मंत्री कोमल गाँधी सहित अनेक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर शिखर सदस्य रिद्धकरण सिपानी, शिखर सदस्य दिनेश सिपानी, रमेश सिपानी, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक किशोर कर्णावट, सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

देह नश्वर है जबकि आत्मा शाश्वत है : मोक्षानंदविजयजी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गोडवाड भवन में गच्छाधिपति जैनाचार्य नित्यानन्द सूरीश्वरजी की निश्रा में प्रवचन करते हुए मंगलवार को मुनिश्री मोक्षानन्दविजयजी ने कहा कि देह और आत्मा भिन्न भिन्न हैं। देह नश्वर है जबकि आत्मा शाश्वत है। जन्म से मृत्यु और बचपन से बुढ़ापे तक शरीर क्षीण होता जाता है। आत्मा के बिना शरीर मुर्दा कहलाता है। मरने के बाद वह शरीर मिट्टी में मिल जाता है। शरीर की नश्वरता को देखने के बाद भी जीव अज्ञानतावश शरीर के प्रति मोह का त्याग नहीं कर पाता। देह की आसक्ति के कारण जीव महादुःख रूपी जन्म-मरण की परम्परा से निकल नहीं पाता। शरीर के सुख को सुख मानने वाला अन्ततः दुःखों का भोक्ता बनता है।

मुनिवर ने कहा, जगत में अधिकांश जीव देहभाव में ही जीते हैं। जन्मों-जन्म तक आत्मा का भान नहीं होता। आत्मा को भूलकर कुछ भी करो वह सब माया मिथ्यात्व की कोटि में ही आता है। मिथ्यात्व के समान आत्मा का कोई महाशत्रु नहीं है। देहभाव को तोड़ने के लिए कायोत्सर्ग की साधना का निरन्तर अभ्यास करना चाहिए। मुनिश्री ने बताया कि जीवों को शरीर से बड़ा प्यार होता है। किन्तु शरीर की क्षण भुंगरता का बोध होने पर वह शरीर को आत्मसाधना में लगा देते हैं। यह शरीर भौतिक सुख साधनाओं को भोगने के लिए बल्कि आत्मिक साधना करने के लिए प्राप्त हुआ है। दोपहर में अठारह पाप स्थानों की संवेदना के साथ आलोचना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

एक सितम्बर से पैलेस ग्राउंड पर शुरू होगी सप्तदिवसीय 'श्रीराम कथा'

गेट नम्बर 9 प्रिंसेस श्राइन सभागार में लगेगा 'रामदरबार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

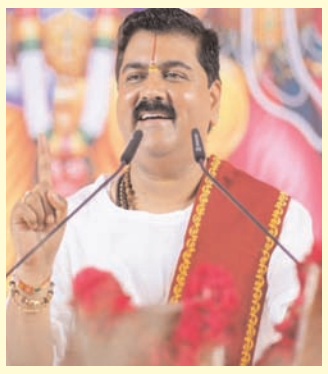

बेंगलूरु। स्थानीय दिव्य चेतना श्रीराम कथा चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में 1 से 7 सितम्बर तक सप्तदिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक सुप्रसिद्ध कथा वाचक राजनजी महाराज श्रीराम कथा का श्रवण करवाएंगे।

इस कथा के पहले दिन 1 सितम्बर को मंगलाचरण व बालकांड का वाचन किया जाएगा तथा प्रभु की बाल लीलाओं का वर्णन किया जाएगा। दूसरे दिन अयोध्या कांड में राम-सीता विवाह का वर्णन, तीसरे दिन कथा वाचक अरण्यकांड में रामजी के वनगमन, शूर्पणखा प्रसंग व सीताहरण की कथा सुनाएंगे। चौथे दिन 4 सितम्बर को किष्किंधा कांड के अंतर्गत राम-सुग्रीव मिलन, हनुमान बल प्रदर्शन आदि का वर्णन, पांचवें दिन सुन्दरकांड के अंतर्गत हनुमानजी का लंका जाना, सीता दर्शन प्रसंग का वर्णन किया जाएगा। छठे दिन 6 सितम्बर को कथा वाचक लंकाकांड के अंतर्गत लंका पर प्रभु राम की जीत व सीता की वापसी का वर्णन करेंगे। आखिरी दिन उत्तरकांड में रामराज्य के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रभु राम के चरित्र का वर्णन किया जाएगा तथा व महाप्रसाद का आयोजन होगा। ट्रस्ट के सदस्य इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कथा आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। ट्रस्ट के शैलेश मिश्रा ने बताया कि यह श्रीराम कथा केवल एक कथा नहीं अपितु इसका उद्देश्य युवा वर्ग को प्रभु श्रीराम से जोड़ना भी है। रोहित उपाध्याय ने बताया कि इस आयोजन में शहर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाएं सहयोग कर रही हैं और विभिन्न समाज के अनेक गणमान्य सदस्य इस आयोजन से जुड़े हैं। धीरज राज ने बताया कि इस आयोजन से जुड़ने के लिए प्रतिदिन का यजमान, प्रतिदिन प्रसाद सेवा व अन्य सेवाओं का विकल्प रखा गया है। आयोजकों ने बताया कि कथा में पूरे देश से कथा वाचक राजनजी महाराज के अनुयायी भी शामिल होने आएंगे तथा आयोजकों ने शहर के सभी रामभक्तों को इस आयोजन में जुड़ने का आह्वान किया। इच्छुक श्रद्धालु अधिक जानकारी के लिए शैलेष मिश्रा से मोबाइल 72590 12976 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

आत्मा को धर्मात्मा और अपने हृदय को सरल बनाना चाहिए : डॉ. समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महावीर धर्मशाला में संजीवनी चातुर्मास में अपने प्रवचन में डॉ. समकितमुनि ने कहा कि भगवान महावीर का जिनशासन अत्यंत उदार, विशाल एवं समभाव से परिपूर्ण है। महावीर के गणधर स्वामी अन्य मत-परंपराओं के साधु-संतों के साथ भी वात्सल्य, स्नेह और आत्मीयता से मधुर मिलन करते थे। इससे हमें प्रेरणा मिलती है कि प्रत्येक साधक को अपनी सोच को उदार एवं विशाल बनाते हुए पूर्वाग्रहों से मुक्त रखना चाहिए। मनुष्य को अपनी आत्मा को धर्मात्मा और अपने हृदय को सरल बनाना चाहिए। जीवन में सरलता का गुण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि सरल हृदय वाला व्यक्ति ही सच्ची एकनिष्ठता को धारण कर सकता है और वही अपने वास्तविक लक्ष्य मोक्ष-मुक्ति की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि पहाड़ पर पानी नहीं टिकता, क्योंकि वहां पात्रता नहीं होती, जबकि समतल भूमि पर पानी सहज रूप से ठहर जाता है। ठीक उसी प्रकार धर्म की स्थापना भी सरल, विनम्र एवं पात्र हृदय में ही होती है।

मुनिश्री ने कहा कि धर्मात्मा वही है, जो परमात्मा का है। परमात्मा की नजरों में जो धर्मात्मा है, वही सच्चा धर्मात्मा कहलाता है। धर्मात्मा को यदि परमात्मा बनने की दिशा में आगे बढ़ना है तो जीवन में यह गुण अत्यंत आवश्यक है जिसका हृदय सरल एवं निर्मल हो, जिसके भीतर उतावलापन न हो, जिसके जीवन में एकनिष्ठता हो और जो समय एवं परिस्थिति के अनुसार विवेकपूर्वक कार्य करना जानता हो। सरलता मन को निर्मल बनाती है, एकनिष्ठता लक्ष्य के प्रति दृढ़ता प्रदान करती है और समयानुसार अपने कर्तव्य एवं कार्य को पूर्ण करना व्यक्ति को सफलता तथा आत्मकल्याण की दिशा में आगे ले जाता है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में जयवंतमुनिजी ने सुमधुर एवं प्रेरणादायी गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत कर धर्मसभा को भाव-विभोर कर दिया। भवांतमुनिजी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को तपस्या एवं धर्माराधना के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर समिति द्वारा तपआराधकों का सम्मान किया। समिति के अध्यक्ष रमेशचंद सिसोदिया ने सभी का स्वागत किया। संचालन महामंत्री जम्बूकुमार दुगड़ ने किया।

माँ बाप की सेवा नहीं करने वाले की दुर्गति होना तय : ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के हीराबाग जैन स्थानक में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम सब अपना हित चाहते हैं, कोई भी अहित नहीं चाहता है। ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे सबका भला हो सके। क्रोध, मान, माया से मुक्त होना जरूरी है, तभी मुक्ति की प्राप्ति संभव है। घमंड-अभिमान को नष्ट करने के लिए व्यक्ति को नम्र होना चाहिए। नम्रता से हर काम सही तरीक़े से होता है। प्रेम से कहा गया कार्य हमेशा सफल होता है। मुनिश्री ने कहा कि हर मनुष्य अपने माता पिता को प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करे, जिससे आने वाले संकट टल सकें। माँ-बाप के चरणों में अपना जीवन समर्पित करने वाला व्यक्ति बहुत भाग्यशाली होता है। माता-पिता से बढ़कर इस संसार में कोई नहीं है, उनके चरणों में स्वर्ग है। उनकी आज्ञा के विपरीत कोई ऐसा कार्य नहीं करें जिससे उन्हें ठेस पहुँचे।

उनका आदर सम्मान करें, अगर हम उनका अपमान करते हैं तो नर्क गति का बंध करते हैं और हमें चौरासी लाख जीव योनियों में भटकना पड़ता है। समय रहते उनका ध्यान रखें, उनकी सेवा करें, समय निकल गया तो कुछ भी नहीं कर सकते। बूढ़े माँ बाप की सेवा नहीं करने वाले की दुर्गति होना तय है।

पुण्य शुभ और धर्म शुद्ध होता है : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने मंगलवार को अपने प्रवचन में पुण्य और धर्म विषय पर सारगर्भित प्रवचन देते हुए कहा कि धर्म और पुण्य दोनों अलग अलग तत्व हैं। भगवान महावीर ने वस्तु के स्वभाव को धर्म बतलाया है।

ज्ञान, दर्शन, चरित्र यह आत्मा के निज गुण हैं। धर्म की सम्यक आराधना इन तीन रूपों में होकर साधक आत्मा के मुक्ति मोक्ष मार्ग की राह प्रशस्त करती है। धर्म की निर्जरा नहीं होती है। पुण्य दुखी को सुखी करता है। धर्म से गुणवान बना जा सकता है। पुण्य शुभ और धर्म शुद्ध होता है। पुण्य हमें संसार में सुख सुविधा प्रदान करता है। महापुरुषों का आलंबन ही हमें आत्मज्ञान का सम्यक बोध करा सकता है, इसलिए गुरु की शरण में हमें अपने आत्मा के सही स्वरूप की पहचान करना चाहिए।

साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आचरांग सूत्र के माध्यम से कहा कि शुभ कर्म का फल शुभ होता है और अशुभ कर्म का फल अशुभ होता है। अपने किए हुए कर्मों को भोगे बिना जीव को इस संसार से मुक्ति नहीं मिलती है। संघ के चेयरमैन महावीरचंद मुथा ने आगंतुकों का स्वागत किया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

स्कूली विद्यार्थियों को अणुव्रत समिति ने दिलवाया नशामुक्ति का संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत समिति द्वारा नशामुक्ति अभियान के अंतर्गत डीवीवी गुजराती शाला के प्रांगण में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में नशामुक्ति एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित कर विद्यालय के लगभग 280 विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी नशे को शान समझने लगी है, जबकि वास्तविकता में नशा जीवन और भविष्य को बर्बाद करने का माध्यम है।

उन्होंने बच्चों को नशे से सदैव दूर रहने तथा अपने परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए प्रेरित किया। साध्वीश्री आत्मयशाजी ने विद्यार्थियों को प्राणायाम के महत्व तथा बोधि-कौशल बढ़ाने के विभिन्न सूत्र बताए। समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने स्वागत किया। मंत्री लाभेश कांसवा ने समिति के कार्यों की जानकारी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

स्थानीय श्री ब्यावर संघ द्वारा मासखमण के तपस्वी अक्षय श्रीश्रीमाल का सम्मान किया गया। श्रीश्रीमाल परिवार द्वारा तपस्या के निमित्त आयोजित भक्ति संध्या में संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, महामंत्री रूपचंद कुमट, युवा अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, अरविन्द खिंवसरा, पदमचंद बोहरा, राजेन्द्र संचेती, विवेक खटोड़, भरत कोठारी, हेमन्त गुलेच्छा, लेडीज विंग की चन्द्रकला डाकलिया, मोनिका कुमट आदि ने तपस्वी का सम्मान कर शुभकामनाएं दी।

अभातेयुप की टीम संगठन यात्रा पर पहुंची तेयुप विजयनगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनंत बागरेचा एवं उनकी टीम संगठन यात्रा पर तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर पहुंची। अनंत बागरेचा, शाखा प्रभारी अमित दक, यात्रा संयोजक गौतम खाब्या एवं अभातेयुप के सदस्यों का स्वागत तेयुप के अध्यक्ष पवन बैद ने किया। सभी ने मुनिश्री विनीत कुमार जी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंत्री कमलेश दक ने मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा गतिविधियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के बैनरों का अनावरण किया गया। इस मौके पर अमित दक, गौतम खाब्या, विनोद मुथा, विकास बांठिया, प्रसन्न धोका, कमलेश चोपड़ा, ऋषि दुगड़ एवं विकास बाबेल ने अपने विचार व्यक्त किए। विनीत गांधी ने सभी को धन्यवाद दिया।

महापुरुषों के सिद्धांतों को आत्मसात करना ही धर्म : कमलमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के हल्लदकेरी स्थित जैन स्थानक भवन में राष्ट्रसंत डॉ कमल मुनि जी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्म आदान-प्रदान अथवा क्रय विक्रय की वस्तु नहीं, आडंबर दिखावे से इसका कोई संबंध नहीं, महापुरुषों के सिद्धांतों को आत्मसात करना ही धर्म पालन करना है। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन करने वाले नादान और अज्ञानी हैं और धर्म परिवर्तन करवाने वाले स्वार्थी तत्व धार्मिक सिद्धांतों के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। धर्म परिवर्तन करने और करवाने वाले दोनों ही धर्म के दोषी हैं। किसी भी महापुरुष ने ऐसा करने की इजाजत नहीं दी। संप्रदाय बदलने से व्यक्ति का कल्याण नहीं होगा अपितु कर्मों को पवित्र करके किसी भी संप्रदाय से व्यक्ति आत्मा का कल्याण कर सकता है। सक्षममुनिजी व कौशलमुनिजी ने मंगलाचरण किया। अक्षतमुनिजी व घनश्याम मुनि जी ने विचार व्यक्त किए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/RNI No. 58061/93.